आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, शुक्रवार 24 अप्रैल 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 152

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

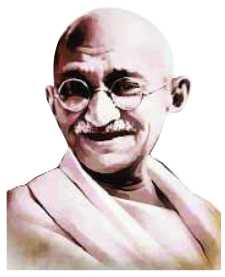

राष्ट्रपिता को नमन...

बढ़ती भागीदारी, मजबूत लोकतंत्र

अक्षय की बात
अपनों के साथ

भारत जैसे विशाल और विविधताओं से भरे देश में लोकतंत्र केवल एक व्यवस्था नहीं, बल्कि जनभागीदारी का उत्सव है। हाल ही में बंगाल और तमिलनाडु में हुए भारी मतदान ने इस बात को एक बार फिर साबित कर दिया कि देश का मतदाता अब अधिक जागरूक, सजग और जिम्मेदार हो चुका है। खास बात यह रही कि इस बार महिलाओं की भागीदारी ने एक नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की। पहले जहां मतदान को केवल एक औपचारिकता माना जाता था, वहीं आज यह नागरिक अधिकार और कर्तव्य दोनों का सशक्त प्रतीक बन चुका है। बंगाल और तमिलनाडु में रिकॉर्ड मतदान प्रतिशत यह दर्शाता है कि जनता अब अपनी आवाज को दबने नहीं देना चाहती। वह समझ चुकी है कि उसकी एक वोट नीतियों, सरकारों और भविष्य को बदल सकती है। इस पूरे परिदृश्य में सबसे प्रेरणादायक पहलू रहा महिलाओं का बढ़-चढ़कर मतदान करना। लंबे समय तक सामाजिक बंधनों और पारिवारिक जिम्मेदारियों में बंधी रहने वाली नारी आज लोकतंत्र के इस महापर्व में अग्रिम पंक्ति में खड़ी दिखाई दी। गांव हो या शहर, हर वर्ग और हर आयु की महिलाओं ने मतदान केंद्रों तक पहुंचकर यह संदेश दिया कि वे केवल घर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि देश की दिशा तय करने में भी बराबर की भागीदार हैं।

नारी शक्ति का यह उभार केवल संख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सोच और आत्मनिर्भरता का प्रतीक भी है। जब महिलाएं अपने विवेक से मतदान करती हैं, तो वे शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों को प्राथमिकता देती हैं। इससे राजनीति का स्वरूप भी अधिक संवेदनशील और समावेशी बनता है।

लोकतंत्र की परिपक्वता का असली पैमाना यही है कि समाज का हर वर्ग बिना भय, बिना दबाव और पूरी स्वतंत्रता के साथ अपने मताधिकार का उपयोग करे। बंगाल और तमिलनाडु में यह तस्वीर साफ नजर आई। यहां न केवल मतदान प्रतिशत बढ़ा, बल्कि मतदाताओं की समझ और भागीदारी का स्तर भी ऊंचा हुआ। आज जरूरत इस बात की है कि इस जागरूकता को केवल चुनाव तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे एक सतत प्रक्रिया बनाया जाए। जब नागरिक अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों को भी समझेंगे, तभी लोकतंत्र वास्तव में मजबूत और सशक्त बन पाएगा।

अंततः, यह कहना गलत नहीं होगा कि जब आधी आबादी यानी नारी शक्ति पूरी ताकत के साथ लोकतंत्र में भागीदारी निभाती है, तो देश का भविष्य अधिक उज्जवल, संतुलित और समावेशी बनता है। बंगाल और तमिलनाडु की यह तस्वीर पूरे देश के लिए एक प्रेरणा है — एक ऐसा संदेश कि जागरूक मतदाता ही मजबूत लोकतंत्र की नींव होते हैं।

न्यूज ब्रीफ

- पीएम मोदी आज कोलकाता में दो जनसभाओं को संबोधित करेंगे
- करोल बाग के फैज रोड में फायरिंग, कई राउंड चलीं गोलियां
- न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री की घोषणा : भारत के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट होगा साइन
- बिहार में सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली नई सरकार का फ्लोर टेस्ट आज
- इजरायल-लेबनान ने 3 हफ्ते के लिए बढ़ाया सीजफायर : ट्रंप

दिल्ली से भोपाल आई सूची दावेदारों की बांछे खिली

प्रदेश के निगम और मंडलों में दो दर्जन नेताओं को नियुक्ति का इंतजार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● निगम मंडलों को लेकर लंबे समय से इंतजार कर रहे नेताओं की आस पूरी हो सकती है। सत्ता और संगठन के बीच चले लंबे मंथन और फिर उसके बाद कोर ग्रुप की बैठक में दो दर्जन नामों पर सहमति बन चुकी है। इन नेताओं के नामों की सूची केन्द्रीय नेतृत्व को भेजी गई थी। वहां से हरी झंडी मिल चुकी है। बताया जाता है कि केन्द्रीय नेतृत्व ने सत्ता और संगठन से अपने हिसाब से निर्णय लेने को कहा है। निगम मंडल, प्राधिकरणों और आयोगों में नियुक्ति को लेकर लंबे समय से बैठकों का दौर चल रहा है। भाजपा के कोर ग्रुप की बैठक में भी यह मामला उठा था, तब

राष्ट्रीय सहसंगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने कहा था कि इस मसले पर अध्यक्ष से बात करें। प्रदेश के दो दर्जन से अधिक निगम मंडलों और विकास प्राधिकरणों में राजनीतिक नियुक्तियां होनी हैं। इनमें अध्यक्ष से लेकर उपाध्यक्ष और सदस्य शामिल हैं। पिछले दिनों सीएम ने भाजपा के पदाधिकारियों की बैठक में जल्द नियुक्तियां होने के संकेत देते हुए कहा था कि निगम मंडलों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष समेत सदस्यों की नियुक्ति एक साथ की जाएगी। आज जारी दो आदेशों में अध्यक्ष के साथ सदस्यों की भी नियुक्ति की गई है। महिला और बाल संरक्षण आयोग में एक दो दिन में नियुक्ति के आसार हैं। वहीं जिन नेताओं के नाम चर्चा में हैं उनमें चेतन सिंह, विनोद गोटिया, संजय नगायच शामिल हैं।

बाल संरक्षण आयोग में अध्यक्ष के साथ चार सदस्य : इसके अलावा बाल संरक्षण आयोग के लिए भी अध्यक्ष और सदस्यों के नाम पर सहमति बन चुकी हैं। डॉ. निवेदिता शर्मा को अध्यक्ष बनाया जाएगा। वो पहले से ही बाल संरक्षण आयोग की सदस्य हैं। उनके अलावा सोनम निनामा, अर्चना गुप्ता, मोनिका बट्टी और सीमा सिंह को सदस्य बनाने पर सहमति बनी है।

इंदौर में ये नेता बेकरार लिस्ट में नाम का इंतजार

- हरिनारायण यादव
- जीतू जिराती
- मुकेश रजावत
- सुदर्शन गुप्ता
- टीनू जैन
- गोपीकृष्ण नेमा
- कैलाश शर्मा
- कमलेश शर्मा
- अशोक चौहान 'चांदू'

छह साल बाद राज्य महिला आयोग में होगी नियुक्ति

सरकार करीब आठ साल से खाली पड़े राज्य महिला आयोग के अध्यक्ष और दो सदस्यों की भी नियुक्ति करने जा रही है। पार्टी में पूर्व विधायक रेखा यादव को महिला आयोग का अध्यक्ष बनाने पर सहमति बनी है। रेखा यादव छतरपुर जिले के बड़ामलहरा से विधायक रह चुकी हैं। वहीं पूर्व विधायक साधना स्थापक और ग्वालियर की पूर्व मेयर समीक्षा गुप्ता को सदस्य बनाया जा सकता है। साल 2020 में कमलनाथ सरकार के गिरने के बाद राज्य महिला आयोग के अध्यक्ष का पद कानूनी पचड़े में फंस गया था। तत्कालीन अध्यक्ष शोभा ओझा और सदस्यों को उस समय सत्ता में वापस लौटी शिवराज सरकार ने हटा दिया था। इस फैसले को चुनौती देते हुए सदस्यों ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

इंदौर पुलिस ने सात घंटे में अगवा बच्चों को ढूंढा

पति-पत्नी समेत चार आरोपी गिरफ्तार फोन कर 15 लाख की फिरौती मांगी थी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर पुलिस ने तिरुपति गार्डन से अगवा दोनों बच्चों को गुरुवार देर रात करीब दो बजे सुरक्षित बरामद कर लिया। मामले में एक दंपती, एक युवक और एक युवती को गिरफ्तार किया गया है। युवक-युवती आपस में भाई-बहन हैं।

नैतिक सोनकर (9) और सम्राट (11) गुरुवार शाम करीब 7 बजे लापता हो गए थे। इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर एक युवती उन्हें अपने साथ ले जाते हुए दिखी थी। बच्चों के दादा पूनमचंद जयदेव ने पुलिस को बताया था कि एक महिला ने वीडियो कॉल के जरिए 15 लाख रुपए की फिरौती मांगी है। इसके बाद फोन बंद हो गया। सूचना मिलते ही टीआई सुरेंद्र रघुवंशी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। बच्चों को तलाशने में संयोगितागंज, बड़ी ग्वालटोली, राजेंद्र नगर, द्वारकापुरी, तुकोगंज और पलासिया थाने की टीमों को लगाया। जिस नंबर से बच्चों के दादा को फोन आया था, उसे सर्विलास पर डाला। इसकी लोकेशन निकालकर बच्चों को राजेंद्र नगर के दत्त नगर में एक बिल्डिंग से बरामद कर लिया। एसीपी तुषार सिंह ने बताया- पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज देखकर आरोपी लड़की के रूट की पहचान की। जिस नंबर से फिरौती का फोन आया था, उसे सर्विलांस पर डाला। मुखबिरों को भी सक्रिय किया गया। सभी आरोपी आपस में वॉट्सएप पर चैटिंग कर रहे थे। इनमें से एक नंबर से ही वॉट्सएप कॉल करके उन्होंने 15 लाख रुपए की फिरौती मांगी थी। इस नंबर को पुलिस ने सर्विलांस पर लगाकर लोकेशन पता कर ली। बच्चों को दत्त नगर की एक बिल्डिंग में रखा गया था। हम बहुत ही सावधानी से वहां पहुंचे।

ये आरोपी गिरफ्तार

1. विनीत पिता राजेश (22 वर्ष) निवासी तिलक नगर
2. राधिका पिता राजेश (18 वर्ष) निवासी सहकार नगर
3. ललित पिता दशरथ सेन (21 वर्ष) निवासी दत्त नगर
4. तनीषा पति ललित (21 वर्ष) निवासी सदर

गुलमोहर की बहार...

इंदौर ● अप्रैल से जून माह तक की भीषण गर्मी में लाल, नारंगी और पीले फूलों से लदकर (गुलमोहर) छा जाता है। इंदौर के कुछ इलाकों में अभी भी गुलमोहर नजर आते हैं।

ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन हाईकोर्ट को बताएगा

चेक पोस्ट से कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा भी करोड़ों कमाता है

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्यप्रदेश में चेक पोस्ट फिर शुरू करने के हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन रिट अपील करेगा। इसमें अवैध वसूली और भ्रष्टाचार के आरोपों के साथ सौरभ शर्मा केस और गडकरी के पत्र को आधार बनाया जाएगा।

जबलपुर हाईकोर्ट के जस्टिस विशाल मिश्रा ने जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए बुधवार 22 अप्रैल को अहम फैसला सुनाया। इसमें सरकार को 30 दिन के भीतर चेक पोस्ट फिर से खोलने का आदेश दिया गया है।

हाईकोर्ट ने भारी वाहनों की जांच और हादसे रोकने के लिए चेक पोस्ट जरूरी बताए हैं। इन चेक पोस्ट के खिलाफ सालों तक ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन अवैध वसूली को लेकर शिकायत करती रही और इसके बाद मोहन सरकार ने 01 जुलाई 2024 को इन्हें बंद किया था। ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस एवं इंदौर ट्रक ऑपरेटर एंड ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने इस मामले में सीएम डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखा है और इस पर चिंता जताई है। साथ ही कहा कि फैसले के खिलाफ माननीय उच्च न्यायालय की डबल बेंच में रिवीजन पिटीशन दायर करेंगे। एसोसिएशन ने कहा कि चेक पोस्ट पर व्याप्त भ्रष्टाचार और अवैध वसूली की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए सीएम मोहन यादव ने इन्हें बंद किया था। रिट अपील में मुख्य रूप से चेक पोस्ट पर होने वाली अवैध वसूली और भ्रष्टाचार को आधार बनाया जाएगा।

सीएम ऑफिस के अफसरों के बीच कार्यविभाजन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्यप्रदेश के सीएम डॉ.मोहन यादव के कार्यालय में तैनात अफसरों के बीच नए सिरे से कार्यविभाजन किया गया है। इसमें अब सीएम के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई सबसे पावरफुल अफसर बन गए हैं। वे मुख्यमंत्री कार्यालय का पूरा समन्वय देखेंगे। समन्वय में प्राप्त होने वाली समस्त नस्तियों एवं तबादला प्रस्तावों को मुख्यमंत्री के समक्ष निराकरण के लिए प्रस्तुत करेंगे। इसके साथ ही सिंहस्थ 2028 से संबंधित सभी कार्य देखेंगे।

उल्लेखनीय है कि सचिव के रूप में कौशलेंद्र विक्रम सिंह की नियुक्ति के बाद नए सिरे से यह कार्यविभाजन किया गया है। कौशलेंद्र विक्रम सिंह को मुख्यमंत्री कार्यालय में विजिलेंस शाखा के प्रभारी के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई है। आलोक कुमार सिंह को कैबिनेट-विधानसभा राजनीतिक नियुक्तियों और कृषि वर्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सीएम के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई अब समन्वय का पूरा काम देखेंगे। वे सीएम तक आने वाली सभी फाइलों और ट्रांसफर प्रस्तावों पर नजर रखकर उसका निराकरण करेंगे। उनके जिम्मे विभागों को भेजी जानेवाली नोटशीट की निगरानी और समीक्षा का काम भी रहेगा। इसके अलावा सीएम से मिलने के लिए आने वाले अनुरोधों की जांच, विभिन्न विभागों की टॉप 20 योजनाओं की समीक्षा के साथ ही सिंहस्थ से जुड़े काम भी रहेंगे। मंडलोई की टीम में अपर सचिव अरुण कुमार परमार, ओएसडी आलोक सोनी और ओएसडी कविराज मेहरा को रखा गया है।

सीएम के सचिव डॉ.इलैया राजा टी के पास दिल्ली और केंद्र सरकार से जुड़े कामों की जिम्मेदारी रहेगी। केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों से पत्राचार का काम उनके पास रहेगा। सीएम के दिल्ली दौरे का मैनेजमेंट तथा केंद्र सरकार के पास लंबित मामलों का काम भी वे देखेंगे। उनके साथ उप सचिव आदित्य शर्मा को रखा गया है। कौशलेंद्र विक्रम सिंह को भी कई महत्वपूर्ण काम सौंपे गए हैं, जिनमें विजिलेंस शाखा के तहत गंभीर शिकायतों पर कार्रवाई करना शामिल है। इसके अलावा सीएम से मुलाकातों से पहले की तैयारी और अधिकारियों से समन्वय बिठाना, रोज के महत्वपूर्ण और संवेदनशील समाचारों पर तुरंत रिपोर्ट मंगवाना। कौशलेंद्र सिंह के पास कई डिजिटल काम भी रहेंगे। इनकी टीम में आशीष कुमार पांडेय और श्रीलेखा श्रोत्रिय को शामिल किया गया है।

नीरज मंडलोई हुए पावरफुल

आलोक कुमार सिंह देखेंगे कार्यालय की आंतरिक व्यवस्था

सीएम के सचिव आलोक कुमार सिंह के पास सीएम के दौरे और सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए जिला प्रशासन से समन्वय का काम रहेगा। सरकारी और गैर-सरकारी नियुक्तियां और नामांकन तथा सीएम कार्यालय की आंतरिक व्यवस्था भी वे देखेंगे। इसके अलावा सांसदों और विधायकों से जुड़े मामलों की मॉनिटरिंग, विधानसभा सत्र की तैयारी, सीएम परिषद की बैठकों का संचालन आदि की जिम्मेदारी भी उनके पास रहेगी। उनकी टीम में उप सचिव संदीप केरकेट ?टा और ओएसडी आशीष खरे को शामिल किया गया है।

मिलेगा राजस्व फिर बने पीपीपी मॉडल पर आधुनिक बस स्टॉप

एआईसीटीएसएल को मिलेगा लाखों का रेवेन्यू

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● स्मार्ट सिटी इंदौर में 200 सिटी बस स्टॉप को स्मार्ट व हाईटेक बनाने का काम जारी है। आधुनिक बस स्टॉप बनने से एआईसीटीएसएल को लाखों का रेवेन्यू मिल रहा है। पीपीपी मोड़ पर बस स्टॉप बना रही प्राईवेट कंपनी एआईसीटीएसएल को प्रति बस स्टॉप 11500 रूपए दे रही है।

फिलहाल 60 बस स्टॉप बन गए है। 200 बस स्टॉप बनने के बाद एआईसीटीएसएल को प्रति माह 20 लाख रूपए से ज्यादा रेवेन्यू मिलेगा। इससे एआईसीटीएसएल बसों का मेंटनेंस व अन्य खर्चे का नियंत्रण करेगा। पुराने व जर्जर सिटी बस स्टॉप के स्थान पर 200 नए सिटी बस स्टॉप बनाने की योजना बनाते हुए एआईसीटीएसएल ने पीपीपी मोड़ पर टेंडर जारी किया था। शहर की एक प्राईवेट कंपनी को टेंडर दिया गया। बस स्टॉप का पूरा मेंटनेंस कंपनी करेगी। बस स्टॉप पर लगने वाले विज्ञापन से होने वाली आमदनी कंपनी रखेगी। कंपनी बदले में प्रति बस स्टॉप एआईसीटीएसएल को 11500 रूपए प्रतिमाह देगी। 200 बस स्टॉप बनने के बाद एआईसीटीएसएल प्रतिमाह 23 लाख के रेवेन्यू मिलेगा। एआईसीटीएसएल के प्रभारी अभिनव चौहान ने बताया कि सरकारी बजट के बिना पीपीपी मॉडल पर हाईटेक सिटी बस स्टॉप बनने से सभी को लाभ होगा। प्राईवेट कंपनी से प्रति बस स्टॉप 11500 रूपए हर महीने देगी। 60 बस स्टॉप बनकर तैयार है। 20 का काम जारी। 100 मीटर पर पुराने बस स्टॉप के स्थान पर हाईटेक बस स्टॉप बन रहे है।

रूट मैप से सुविधा सीसीटीवी से निगरानी

साईटेक सिटी बस स्टॉप राशि के लिए सुरक्षा है। सुविधा के लिए बस का पूरा रूट मैप लगा है। सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगे है।

जल्द एबी रोड़ पर बनेंगे 40 बस स्टॉप

एआईसीटीएसएल के सूत्रों ने बताया कि बीआरटीएस हटने के बाद जल्द ही एबी रोड पर 40 नए आधुनिक बस स्टॉप बनेंगे। इसे पीपीपी मॉडल पर तैयार किया जाएगा। प्रति बस स्टॉप 35000 रूपए रेवेन्यू मिलने की उम्मीद है।

खजाना भरने की नई जुगाड़

व्यावसायिक बिजली कनेक्शनों से संपत्ति कर की चोरी ढूंढेंगे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● एमओएस पर टैक्स लगाने के बाद नगर निगम अब बिजली कनेक्शनों के सहारे खजाना भरने की जुगत लगाने में जुटा है। शहर में बिजली कनेक्शनों के सहारे संपत्तिकर चोरी का पता लगाया जा रहा है। नगर निगम ने बिजली कंपनी से व्यावसायिक कनेक्शनों का डेटा लिया है।

कंपनी से मिले इस डेटा के आधार पर संपत्तियों की जांच की जा रही है। ऐसे तमाम छोटे-बड़े घर जहां दुकानें व अन्य व्यावसायिक गतिविधियां चल रही हैं, जल्द ही नगर निगम अतिरिक्त संपत्तिकर की मांग निकाल सकता है। बिजली कंपनी के आंकड़ों के अनुसार शहर में करीब डेढ़ लाख व्यावसायिक बिजली कनेक्शन हैं। इसके साथ ही पांच हजार से ज्यादा औद्योगिक बिजली कनेक्शन भी हैं। कुल बिजली उपभोक्ताओं की संख्या साढ़े सात लाख के लगभग है। क्षेत्र के अनुसार बिजली कंपनी के आंकड़े को नगर निगम ने अपने जोन पर वितरण कर प्रारंभिक रूप से व्यावसायिक कनेक्शनों के आधार पर उन संबंधित संपत्तियों के कर के रिकॉर्ड खंगालने का निर्देश दिया है।

निगम को उम्मीद है कि इसमें बड़े पैमाने पर ऐसे खाते पता चलेंगे जो व्यावसायिक बिजली कनेक्शन चला रहे हैं लेकिन संपत्तिकर घरेलू दर से भर रहे हैं। उम्मीद है कि इसमें कुछ ऐसे संपत्तिधारक भी हो सकते हैं जो रिकार्ड में ही न हों।

हल्ला बोल, पोल खोल : इंदौर में जल संकट पर कांग्रेस का मटका फोड़ प्रदर्शन!

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव मध्यप्रदेश राजीव विकास केंद्र के प्रदेश प्रवक्ता मुकेश शाह के नेतृत्व में शहर भर में जल संकट को लेकर नगर निगम का ध्यान आकर्षित कराने के लिए इंदौर शहर कांग्रेस एवं मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र के पदाधिकारियों ने हाथों में मटके लेकर हल्ला बोल पोल खोल अभियान के प्रथम चरण में मोती तबेला चौराहा छत्रीबाग मटके फोड़े गए गर्मी की शुरुआत के साथ ही शहर में मचे पानी के हाहाकार को लेकर शहर कांग्रेस और मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र ने मोर्चा खोल दिया है। कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर और खाली मटके फोड़कर 'पोल खोल' हल्ला बोल आंदोलन किया।

आंदोलन में मुख्य रूप से मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र के प्रदेश प्रवक्ता प्रतिश दास मुकेश शाह मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव जौहर मानपुर वाला ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शैलू सेन विशाल चतुर्वेदी, वीरू झाझोट, शकील ठेकेदार, विभाष शर्मा, दानीश खान, पप्पू यादव, श्रीमती रायमुनी भगत, श्रीमती कृष्णा विश्वकर्मा, श्रीमती शीतल झवर श्रीमती तारा मेश्रराम, दीपक मलोरिया, राजदत्त शर्मा, सन्नी पठारे, सुनील यादव, दीपक छाबड़ा, दीपक वानखेड़े, संजय यादव, मूलचंद राठौर, गोविंद शर्मा, अशोक चौधरी, भुपेंद्र केतके, दीपू पंवार, जितेंद्र पाटील, सचिन पंवार, कैलाश देपाले, सिराज खान, घनश्याम ओछनिया, चंदन सोनकिया इमरान खान, राहुल तायड़े, प्रदीप तायड़े, युवराज रघुवंशी, लतीफ शाह, हरिश जोशी, हबीब शाह चिंटू वर्मा, गोलू खान, संजय शुक्ला लक्ष्मण खत्री रविकांत सैनी साहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थें । कार्यक्रम का संचालन मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र के प्रदेश उपाध्यक्ष शकील ठेकेदार ने किया अंत में आभार मध्य प्रदेश राजीव विकास के प्रदेश मीडिया प्रभारी नितीश भारद्वाज ने मना।

प्रमुख मुद्दे और आरोप

पानी सप्लाई में कटौती नगर निगम बिल पूरे महीने का ले रहा है, लेकिन पानी केवल 15 दिन एक दिन छोड़कर) दे रहा है। मैं पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा है वहीं कई क्षेत्रों में नर्मदा की पाइपलाइन नहीं है वहां पानी का आकार बना हुआ है और टैंकरों से भी पानी आम जनता को नहीं मिल रहा है कई क्षेत्रों में निजी अपने पैसे से टैंकर बुलवाए जा रहे हैं जिसका अतिरिक्त भोज आम जनता पर पड़ रहा है साथी विभिन्न बस्तियों एवं घनी बस्तियों में पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है,

गंदा पानी : ड्रेनेज लीकेज के कारण कई क्षेत्रों (जैसे भगीरथ पूरा, सुदामा नगर, मूसाखेड़ी, बाणगंगा, चंदन नगर आदि) अन्य क्षेत्रों में मटमैला और बदबूदार पानी आ रहा है।

टैंकरों का खेल : आम जनता पानी को तरस रही है, जबकि निगम के टैंकर बड़ी होटलों और निर्माण कार्यों को बेचे जा रहे हैं।

प्रशासनिक लापरवाही : नई पाइपलाइन की फाइलें लंबित हैं अधूरे कर से जल पूर्ति प्रभावित हो रही है कई वार्डों में जल संकट के हालात बन गए हैं और कई गलियों तक टैंकर नहीं पहुंच पा रहे हैं जिसके कारण और अंतिम छोर तक नर्मदा का पानी नहीं पहुँच पा रहा।

चेतावनी : 'यदि गंदे पानी की सप्लाई और पानी टैंकरों की कमी का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो इंदौर नगर निगम का उग्र घेराव किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

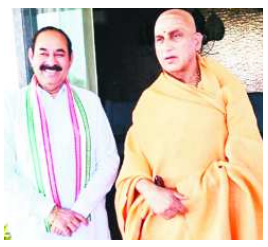

स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने किया गौशाला का निरीक्षण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आध्यात्मिक जगत की प्रख्यात विभूति और जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने हाल ही में पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल से एक अनौपचारिक मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान स्वामी जी ने सत्यनारायण पटेल द्वारा संचालित गौशाला का विस्तृत निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं को देखा। स्वामी अवधेशानंद गिरि ने 'गीता रामेश्वरम ट्रस्ट' के माध्यम से किए जा रहे विभिन्न सामाजिक और धार्मिक कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने गौशाला में गायों के रख-रखाव और ट्रस्ट की सेवा भावना की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए इसे समाज के लिए अनुकरणीय बताया।

बेटे के सामने पिता की हत्या करने वाले 6 आरोपी गिरफ्तार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● हीरा नगर थाना क्षेत्र में हुए दिल दहला देने वाले हत्याकांड में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सभी छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला उस समय सुर्खियों में आया था, जब आठ साल के मासूम के सामने उसके पिता की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। जानकारी के अनुसार, 19 अप्रैल को सुरेंद्र साहू अपने साले की शादी की सालगिरह में शामिल होकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान बाइक खड़ी करने को लेकर उनका क्षेत्र के कुछ युवकों से विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपियों ने सुरेंद्र पर चाकू और पत्थरों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। घटना के दौरान सुरेंद्र का आठ वर्षीय बेटा मौके पर मौजूद था, जो अपने पिता को बचाने की गुहार लगाता रहा। लेकिन गंभीर चोटों के चलते सुरेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई।

डॉ रूपेश मोदी के जन्म दिवस पर उनके प्रशंसकों और मरीजों ने किया सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नगर के प्रसिद्ध चेस्ट रोग विशेषज्ञ डॉक्टर रूपेश जैन मोदी के सफल सार्थक जीवन के 62 वर्ष की पूर्णता एवं जीवन के 63 वें वर्ष में प्रवेश प्रसंग के उपलक्ष में मोदी क्लिनिक पर आयोजित समारोह में उनके शुभचिंतक प्रशंसकों एवं मरीजों ने डॉ मोदी को शाल, दुपट्टा, मोती माला पहनाकर एवं श्रीफल और अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मानित किया और बधाई एवं शुभकामनाएं दी। अभिनंदन पत्र का वाचन धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने किया ।

थाने में पिटाई, हाईकोर्ट ने लसूडिया पुलिस पर लगाया 10 हजार का अर्थदंड

बॉडी वार्न कैमरे लगाने के भी आदेश

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर पुलिस की वर्दी पर फिर दाग लगा है और फिर वजह बना है क्रीम थाना लसूडिया। थाने में 29 दिसंबर 2025 को हुई मारपीट के मामले में इंदौर हाईकोर्ट ने दस हजार का अर्थदंड लगाया और इसे याचिकाकर्ताओं को देने के आदेश दिए हैं। साथ ही शहर के पांच प्रमुख थानों को नौ माह में बॉडी वार्न कैमरे लगाने के आदेश दिए हैं। इंदौर का नंबर वन लसूडिया थाना लगातार विवादों के कारण भी नंबर वन रहता है। हाल ही में सोना चोरी के आरोप में एसआई के साथ ही पांच पुलिसकर्मी निलंबित हुए हैं। अब थाने में मारपीट और थाने में पैसे लेकर छोड़ने के आरोप में इंदौर हाईकोर्ट में लगी याचिका में अहम आदेश आया है। इसमें याचिकाकर्ता को 10 हजार मुआवजे के तौर पर देने के आदेश हाईकोर्ट इंदौर ने किए हैं।

याचिकाकर्ता हर्ष जावरिया ने इंदौर हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इसमें आरोप लगाए गए थे कि वह 29 दिसंबर 2025 की रात को बांबे अस्पताल के पास श्रीनाथ रेस्टारेंट गया था। वहां अधिक बिल लेने पर विवाद हुआ। मौके पर पुलिस आई। लसूडिया थाने से कांस्टेबल नागेंद्र व उत्कर्ष आए और मुझे व मेरे दोस्त अनुज नामदेव, आशीष नामदेव व सचिन मालवीय को प्लास्टिक पाइप से मारना शुरू कर दिया। इस घटना को मोबाइल पर रिकॉर्ड किया था। बाद में मोबाइल छीना और थाने ले गए। याचिका में आरोप लगाए गए कि थाने में पीटा गया और मूंछें खींची गईं। एक घंटे तक पीटा गया। अपमानित किया गया। मोबाइल से वीडियो भी डिलीट कर दिए। फिर रिश्वत की वसूली करने के बाद बिना कोई लिखापढ़ी और कार्रवाई के छोड़ा गया। इस मामले में हाईकोर्ट ने थाने के सीसीटीवी फुटेज मांगे। सीसीटीवी में आया कि सुबह 2.41 से 2.45 बजे ऐसी जगह ले जाया गया, जहां थाने में सीसीटीवी रेंज नहीं है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने कहा कि वीडियो नहीं है, लेकिन ऑडियो में मारपीट और चीखने की आवाज आ रही है। वहीं शासन पक्ष ने बताया कि जहां इन्हें रखा गया था वहां महिला अधिकारियों के बैठने की जगह थी, इसलिए वहां सीसीटीवी नहीं थे। साथ ही कहा कि थाने में कोई मारपीट नहीं की गई। शासन पक्ष ने कहा कि मोबाइल से भी कोई वीडियो डिलीट नहीं किया गया। इस पर जस्टिस सुबोध अभ्यंकर की बेंच ने कहा कि कोर्ट लगातार आदेश कर रहा है कि थाने में सीसीटीवी होना चाहिए।

डेली कॉलेज चुनाव 30-90 दिन के नोटिफिकेशन में उलझा, चुनाव अधिकारी ही करेंगे तय

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर डेली कॉलेज चुनाव का शेड्यूल जारी होने के बाद अब 30 और 90 दिन के नोटिफिकेशन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। नया संविधान अभी मंजूर नहीं हुआ है। पुराने नियम लागू होने की बात है। कई सदस्यों ने चुनाव प्रक्रिया पर आपत्ति जताई है।

इंदौर डेली कॉलेज में पहले चुनाव नहीं होने को लेकर विवाद था और अब चुनाव नोटिफिकेशन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। मुख्य चुनाव अधिकारी हाईकोर्ट के रिटायर जस्टिस सुशील गुप्ता ने शेड्यूल जारी कर दिया है। चुनाव वोटिंग और रिजल्ट 21 मई को है। लेकिन अभी भी इस बात पर असमंजस है कि चुनाव नए संविधान से होगा या पुराने संविधान से। हालांकि, फर्म एंड सोसायटी असिस्टेंट रजिस्ट्रार साफ कह चुके हैं कि नया संविधान अभी स्वीकृत नहीं किया है। वहीं जानकारों का साफ कहना है कि शेड्यूल जारी

होने के बाद नए संविधान को लागू करना संभव ही नहीं है। लेकिन इस प्रक्रिया पर ओल्ड डेलियंस एसोसिएशन (ओडीए) के गुट ने विरोध दर्ज कराया है। इनका कहना है कि चुनाव नोटिफिकेशन में यह साफ नहीं है कि किस संविधान के तहत चुनाव हो रहा है। यदि पुराने संविधान से हो रहा है तो इसके तहत चुनाव नोटिफिकेशन 90 दिन पहले होता है, लेकिन यह नोटिफिकेशन 30 दिन पहले हुआ है, जो नए संविधान में प्रस्तावित है।

वहीं यह साफ नहीं हुआ है कि ओडीए से सदस्य बोर्ड में किस तरह चुने जाएंगे। पुराने संविधान में ओडीए दो सदस्यों को चुनकर बोर्ड में भेजता है। नए संविधान में इसमें प्रेसीडेंट और सचिव को प्राथमिकता से लेने यानी निर्वाचन की जगह चयनित करने की प्रक्रिया रखी गई है। साथ ही एक और सदस्य को भी चयन करने का प्रावधान जोड़ा गया है। साथ ही जारी किए गए चुनाव शेड्यूल में जो बाहर के सदस्यों को डाक मतपत्र जाना है, उसके लिए कम समय है। यह फॉर्म 4 से 19 मई को जाएंगे और 20 मई को वापसी का समय रखा है, जबकि 21 को वोटिंग और रिजल्ट है। वहीं इसके बीते चुनाव के समय इसमें डिस्पैच और वापसी के समय में 45 दिन का समय दिया गया था।

लॉरेंस गैंग का बदमाश राजपाल रिमांड पर, इंदौर के बड़े रियल एस्टेट कारोबारी, बिजनेसमैन लिस्ट में

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में हाल ही में एक के बाद एक कई बड़े कारोबारियों को लॉरेंस गैंग द्वारा धमकियां मिली हैं। इस मामले में अब क्राइम ब्रांच इंदौर ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग के एक बदमाश राजपाल सिंह चंद्रावत को खरगोन जेल से रिमांड पर लिया है। आरोप है कि इसी ने बिल्डर विवेक दम्मानी, प्रॉपर्टी ब्रोकर और पंप संचालक चेतन सिंह पंवार, कुंवर सिंह भूरिया की रेकी की और इसके बाद धमकियां आईं। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आ रहा है कि इंदौर के कई रियल एस्टेट कारोबारी और बड़े बिजनेसमैन इसके निशाने पर थे और इसकी लिस्ट बनाई हुई थी। इन सभी की जानकारियां जुटाई जा रही थीं, ताकि इनके आधार पर इन्हें धमकाया जा सके।

डीसीपी क्राइम राजेश त्रिपाठी ने बताया कि कॉटन कारोबारी दिलीप सिंह राठौर को धमकी देकर 10 करोड़ मांगने का आरोप चंद्रावत पर है। रुपए नहीं देने पर घर पर फायरिंग की गई थी। इसमें चंद्रावत का हाथ था। इसी के द्वारा स्थानीय बदमाशों से यह काम करवाया गया था। इसके पांच बैंक खाते मिले हैं, जिसमें एक खाते में अमेरिका से हैरी बॉक्सर ने ट्रांजेक्शन किया है। राजपाल के साथ ही सहयोगी योगेश भाटी भी गैंग में सक्रिय है। चंद्रावत सीधे लॉरेंस गैंग से जुड़ा है। वह कुछ साल पहले तिहाड़ जेल में उससे मिल चुका है। इसके बाद ही वह मप्र में गैंग बनाकर काम करने लगा। चंद्रावत की रेकी पर ही हैरी बॉक्सर ने दिलीप सिंह राठौर को 10 करोड़ की वसूली के फोन लगवाए। रुपए नहीं देने पर अमित बड़गोत्या (उज्जैन), लोकेंद्र पंवार (उज्जैन), सचिन पाटीदार (धार) के माध्यम से रेकी करवाई और देवास के बदमाशों से फायरिंग कराई गई।

4 साल के मासूम को पुलिस ने नहीं ढूंढा

आईएएस के ड्राइवर ने रात 1 बजे पहुंचाया था थाने

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में 4 साल के बच्चे और उसके दादा के मिलने का श्रेय पुलिस ने लिया है। वहीं, असल में एक आईएएस के ड्राइवर की सतर्कता से दोनों रात एक बजे थाने पहुंचे थे। बाद में पुलिस ने परिजनों को सौंपा था।

इंदौर में सोमवार दोपहर को पलासिया थाना क्षेत्र से चार साल का मासूम तृष्णु उर्फ हर्षल अपने दादा प्रभुदयाल यादव के साथ घर से चला गया था। इसके बाद परिवार में हड़कंप मच गया। पलासिया पुलिस को शिकायत की गई। पुलिस को रात दो बजे बच्चा मिल गया और 12 घंटे में परिजनों को उनका बच्चा और दादा मिल गए।

अब उस रात की यह है सच्चाई - उम्र के चलते दादा की मानसिक स्थिति पूरी तरह ठीक नहीं है। वह मासूम के साथ भटकते हुए रेडियो कॉलोनी, रेजीडेंसी एरिया में पहुंच गए थे। सोमवार रात करीब साढ़े 11 बजे एक आईएएस अधिकारी का ड्राइवर वहां से गुजरा और दादा और बच्चे को बैठे देखा।

दादा ड्राइवर को कुछ नहीं बता सके, लेकिन बच्चे ने यह जरूर बताया कि यह उनके दादा हैं। इसके बाद ड्राइवर ने आसपास के घरों में पूछा कि यह उनके यहां तो नहीं आए, लेकिन सभी ने मना कर दिया।

अपर कलेक्टर ने कहा थाने ले जाओ- फिर ड्राइवर को उसी एरिया में रहने वाले एक अपर कलेक्टर ने कहा कि इन्हें थाने ले जाओ।

पुलिस ने मासूम और दादा के मिलने पर यह बताया

पलासिया टीआई सुरेंद्र रघुवंशी ने घटना को लेकर बताया था कि 20 अप्रैल को दोपहर दो से तीन बजे के बीच पीडब्ल्यूडी कॉलोनी क्षेत्र से चार साल का बच्चा अपने दादा के साथ अचानक गायब हो गया। परिजनों ने दादा की कमजोर मानसिक स्थिति का हवाला देते हुए आशंका जताई कि कोई अज्ञात व्यक्ति उन्हें बहला-फुसलाकर ले गया होगा। तत्काल आठ टीमें बनाकर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। टीम ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले और बच्चे की फोटो सोशल मीडिया पर वायरल की गई। लगातार सर्च के दौरान देर रात करीब दो बजे सूचना मिली कि आजाद नगर क्षेत्र में एक पानी के प्याऊ के पास बच्चा और उसका दादा बैठे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दोनों को सुरक्षित कब्जे में लिया।

इसके बाद ड्राइवर बच्चे और दादा को लेकर आजाद नगर थाने पहुंचा। तब तक रात करीब एक बज गई थी। वहीं, आजाद नगर पुलिस ने पहले आनाकानी की और कहा कि वह एरिया तो संयोगितागंज थाने में आता है, वहां चले जाओ। फिर मासूम और दादा की हालत देखकर थाने में बैठा लिया। इसी दौरान उन्होंने पुलिस द्वारा सोशल मीडिया पर चलाई गई गुमशुदगी वाली जानकारी देखी।

किप्ट्रो करेंसी एक्सेज के लिए बुलाया, बिना रुपए दिए भगा दिया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के एरोड्रम इलाके में क्रिप्ट्रो करेंसी एक्सचेंज को लेकर मामला सामने आया है। बताया जाता है कि बुधवार को कृष्णा नाम के युवक के साथ कुछ लोगों ने डरा धमका रुपए वसूले हैं। कृष्णा को धमकाने वाले युवक खुद को पुलिसकर्मी बता रहे थे। बाद में कृष्णा मामले की जानकारी लेकर एरोड्रम थाने भी पहुंचा। यहां से उसे भगा दिया। गुरुवार को डीसीपी से शिकायत हुई है। इसके बाद अफसर थाने पहुंचे और दो घंटे के फुटेज अपने साथ लेकर चले गए।

मामला विद्याधाम मंदिर के पास का है। बुधवार को यहां कृष्णा नाम के युवक को किप्ट्रो करेसी एक्सचेंज के नाम पर कुछ लोगों ने बुलाया था। बताया जाता है कि कृष्णा से इस दौरान कुछ लोगों ने पुलिसकर्मी बताकर पकड़ा और रुपए अपने पास रखकर उसे बंद करने की धमकी दी। बाद में युवक वहां से चले गए। कृष्णा शिकायत लेकर एरोड्रम थाने पहुंचा। लेकिन यहां बाहर से ही पुलिसकर्मियों ने उसकी शिकायत सुने बिना उसे भगा दिया। गुरुवार को डीसीपी कृष्णा लाल चंदानी से युवक अपने परिचित के साथ मिला था। सूत्रो के मुताबिक रात मे एडिशनल डीसीपी सुमित केरकेटटा एरोड्रम थाने पहुंचे थे। यहां उन्होंने दो घंटे के सीसीटीवी फुटेज उन्होंने देखे। इसके बाद वह लैपटॉप में फुटेज लेकर अपने साथ चले गए।

द टॉपर्स हब कोचिंग का शानदार प्रदर्शन, क्षेत्र में फिर बना नंबर वन

मुस्कान चौहान
94%

प्रिया कुमारी
92.2%

शैलेंद्र झा
91.4%

खुशी बिरला
91%

भुवनेश्वरी देशमुख
92%

मन्नत प्रजापत
93%

शारदा जायसवाल
93%

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इस वर्ष घोषित बोर्ड परीक्षा परिणामों में द टॉपर्स हब कोचिंग ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्टता साबित करते हुए पूरे क्षेत्र में नंबर 1 परिणाम हासिल कर इतिहास रच दिया है। संस्थान के बेहतरीन परिणाम ने शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों को छुआ है। इस वर्ष कोचिंग के 7-8 विद्यार्थियों ने अपने-अपने स्कूलों में टॉप कर संस्थान का नाम रोशन किया, वहीं 19 विद्यार्थियों ने 90% से अधिक अंक प्राप्त कर शानदार सफलता हासिल की। एवं कुल 75+ विद्यार्थी को 80%+ अंक प्राप्त हुए है।

विशेष उपलब्धि हासिल करते हुए मुस्कान चौहान, शिखा साहू और यश कुशवाहा ने गणित विषय में 75 में से 75 अंक प्राप्त कर संस्थान को गौरवान्वित किया। इससे पहले भी संस्थान के 5 विद्यार्थी अरुण गौर, प्रियांशु प्रजापत, नितिन सोलंकी, प्रणय नामदेव व जीतेंद्र चौहान ने भी गणित में 100/100 अंक प्राप्त किए। संस्थान के निदेशक अमित तिवारी एवं अमन तिवारी ने इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह परिणाम विद्यार्थियों की मेहनत, अभिभावकों के विश्वास और शिक्षकों के समर्पण का प्रतिफल है। कॉमर्स विभागाध्यक्ष नितिन चौहान ने भी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस सफलता के पीछे संस्थान के अनुभवी शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है, जिनमें मुकेश ओझा (संस्कृत), बीना नेगी (हिंदी एवं सामाजिक विज्ञान), रोहित तिवारी (भौतिकी), दीपा मैम (अंग्रेजी) और ममता सिंह (अंग्रेजी) शामिल हैं। संस्थान की विशेषता केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं है, बल्कि यहाँ शिक्षा के साथ संस्कारों पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। कोचिंग परिसर में भगवान गणेश जी की भव्य एवं आकर्षक प्रतिमा स्थापित है, जहाँ नियमित रूप से विद्यार्थी प्रार्थना करते हैं। यह वातावरण बच्चों को धार्मिक मूल्यों, अनुशासन और सकारात्मक सोच से जोड़ता है, जिससे उनका सर्वांगीण विकास संभव हो पाता है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, शुक्रवार 24 अप्रैल 2026

न्यूज ब्रीफ

भगवान परशुराम और राष्ट्र आराधना पर व्याख्यान 10 मई को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आद्य गौड़ ब्राह्मण सेवा न्यास की मेजबानी में भगवान परशुराम के जयंती महोत्सव प्रसंग पर रविवार 10 मई को विमानतल मार्ग स्थित श्री श्री विद्याधाम पर श्री परशुराम यशोगाथा- भगवान परशुराम और राष्ट्र आराधना जैसे प्रासंगिक विषय पर महानिर्वाणी पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी श्री विशोकानन्द भारती महाराज (बीकानेर-काशी-हरिद्वार-अहमदाबाद-कोलकाता) के सानिध्य और मुख्य आतिथ्य में मप्र साहित्य अकादमी, मप्र शासन के निदेशक डॉ. विकास दवे मुख्य वक्ता के रूप में अपने प्रेरक और ओजस्वी विचार व्यक्त करेंगे। न्यास के अध्यक्ष पं. दिनेश शर्मा एवं महामंत्री सुरेश शर्मा 'काका' ने बताया कि परशुराम जयंती पर न्यास की ओर से प्रतिवर्ष भगवान श्री परशुराम पर केन्द्रित व्याख्यान के प्रासंगिक आयोजन का सिलसिला शुरू किया गया है।

मालवा, निमाड़ और मारवाड़ के श्रद्धालु पहुंचे लालसोठ स्थित बिजासणी माता मंदिर महोत्सव में

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● माली मोहल्ला, एमओजी लाइन्स स्थित श्री महाप्रचंड हनुमान मंदिर पर संत श्री लादूनाथजी महाराज गुरु आश्रम न्यास समिति (ट्रस्ट) के तत्वावधान एवं महंत रामकिशन महाराज के सानिध्य में बिजासणी माता दरबार खुर्रा (लालसोठ राजस्थान) में आज से प्रारम्भ हुए कलश स्थापना महोत्सव में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में मालवा, निमाड़ एवं मारवाड़ के सैकड़ों श्रद्धालु पहुंचे। भक्त मंडल के विजय अग्रवाल एवं योगेश सुईवाल ने बताया कि खुर्रा में गुरुवार को विशाल कलश यात्रा का आयोजन सम्पन्न हुआ और रात्रि में भजन संध्या हुई। महंत रामकिशन महाराज के सानिध्य में शुक्रवार को अग्नि स्थापन के साथ यज्ञ हवन की शुरुआत होगी और विद्वान आचार्यों के निर्देशन में अभिजीत मुहूर्त में मंदिर के शिखर पर कलशों की स्थापना होगी। दो दिवसीय इस महोत्सव के लिए खुर्रा स्थित बीजासणी माता के मंदिर को आकर्षक विद्युत एवं पुष्प सज्जा से श्रृंगारित किया गया है। महोत्सव में मालवा, निमाड़ एवं मारवाड़ के तपोनिष्ठ संत लादूनाथ महाराज के शिष्यों सहित इंदौर एवं आसपास से पहुंचे भक्त शुक्रवार को भी यहाँ होने वाले सभी कार्यक्रमों में भागीदार बनेंगे।

500 फीट नीचे भी सूखा, खामोश जल संकट की ओर बढ़ रहा

भू-जल दोहन चरम पर, रेन वाटर हार्वेस्टिंग नदारद

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर एक खामोश जल संकट की ओर बढ़ रहा है। हालात इतने गंभीर हो चुके हैं कि 500 फीट से ज्यादा गहराई के बोरिंग भी गर्मियों में सूखने लगे हैं। यानी धरती के नीचे का पानी खत्म होने की कगार पर है, और ऊपर कागजों में चल रहे अभियान इस सच्चाई को ढंक नहीं पा रहे। नगर निगम और जिला प्रशासन भू-गंगा जल अभिनान के नाम पर तालाबों की सफाई और रेन वाटर हार्वेस्टिंग का प्रचार तो कर रहे हैं, लेकिन शहर की हकीकत इससे बिल्कुल उलट है। लाखों घर ऐसे हैं जहां सालभर भू-जल का बेतहाशा दोहन होता है, मगर पानी वापस जमीन में पहुंचाने का कोई इंतजाम नहीं है।

कई शासकीय भवनों में नहीं व्यवस्था

चौंकाने वाली बात यह है कि जिन शासकीय भवनों को उदाहरण बनना चाहिए, वहीं पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था नहीं है। कारण साफ है-इस दिशा में कोई ठोस बजट ही तय नहीं किया गया। हर साल बारिश के दौरान कुछ दिनों का अभियान चलाकर जिम्मेदारियां पूरी मान ली जाती हैं, लेकिन जमीनी बदलाव आज तक नजर नहीं आया। जल विशेषज्ञों का साफ कहना है कि अगर अभी भी सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले वर्षों में इंदौर में पानी के बिना जीवन मुश्किल हो जाएगा। उनका सुझाव है कि जिन भवनों में बोरिंग है, वहां रेन वाटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य किया जाए हर वार्ड में एक बड़ा तालाब और ग्रीन जोन विकसित हो। पुराने तालाबों का पुनर्जीवन प्राथमिकता बने। नर्मदा जल वितरण को टेक्नोलॉजी आधारित मॉनिटरिंग से संतुलित किया जाए। इंदौर आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां पानी को लेकर लिए गए फैसले उसका भविष्य तय करेंगे। अगर प्रशासन और नगर निगम अब भी सिर्फ अभियानों और दावों तक सीमित रहे, तो वो दिन दूर नहीं जब शहर की पहचान स्वच्छता से हटकर जल संकट बन जाएगी।

नर्मदा भी नहीं बुझा पा रही प्यास

शहर को नर्मदा नदी से पानी मिलने के जल ही जीवन है नर्मदा जल वितरण बावजूद लोगों की परेशानी कम नहीं हुई है। जल वितरण व्यवस्था पूरी तरह असंतुलित नजर आती है। कहीं लोगों को एक दिन छोड़कर पानी मिल रहा है, वो भी तय एक घंटे की जगह मुश्किल से आधे घंटे के लिए। वहीं कुछ इलाके ऐसे भी हैं जहां दिन में दो-दो बार भरपूर पानी दिया जा रहा है। कई जगह तेज प्रेशर से पानी बह रहा है, तो कई मोहल्ले बूंद-बूंद को तरस रहे हैं। सवाल यही है कि वर्षों बाद भी नगर निगम नर्मदा जल वितरण को संतुलित क्यों नहीं कर पाया? अमृत 2.0 के तहत 2050 तक की जल जरूरतों का खाका तैयार करने का दावा किया जा रहा है, लेकिन वर्तमान हालात ही इस योजना की हकीकत पर सवाल खड़े कर रहे हैं। शहर में तेजी से नई कॉलोनियां बस रही हैं, आबादी लगातार बढ़ रही है, लेकिन पानी के नए स्रोत विकसित करने की दिशा में कोई ठोस काम नहीं दिख रहा। पुराने जल स्रोत खत्म हो रहे हैं और नए सिर्फ कागजों में बन रहे हैं।

किसान संघ के पदाधिकारियों ने की एमडी से भेंट

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारतीय किसान संघ के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार दोपहर मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह से भेंट की। प्रतिनिधिमंडल में भारतीय किसान संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष दयाराम पाटीदार व अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। इस दौरान कृषि एवं ग्रामीण क्षेत्र में आपूर्ति सुधार, उपभोक्ता सुविधाओं में बढ़ोत्तरी, शिविर लगाने इत्यादि विषयों पर चर्चा की गई। इस दौरान मप्रपक्षेविविकं इंदौर के मुख्य महाप्रबंधक प्रकाश सिंह चौहान, कार्यपालक निदेशक गजरा मेहता, एसआर बमनके, राजेशचंद्र जैन, संजय मालवीय, अंतिम जैन आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

सोलह लाख की बीमा राशि सौंपी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● तकनीकी कर्मचारी सहकारी साख संस्था मर्यादित द्वारा तकनीकी कार्य करने वाले बिजली कार्मिकों का बीमा कराया गया हैं, ताकि बिजली जैसा कठिन कार्य करने वाले कार्मिकों का आर्थिक सुरक्षा का कवच बना रहे। तकनीकी सदस्य संविदा लाइन कर्मचारी श्री कमलेश गिरवाल की पिछले माह मृत्यु हो गई थी, स्व. गिरवाल की बीमा पालिसी में नामिनी उनकी माताजी श्रीमती सुंदर बाई गिरवाल को नियमानुसार 16 लाख रूपए की बीमा राशि मप्रपक्षेविविकं इंदौर के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह के हाथों संस्था के संचालक मंडल सदस्यों ने वितरित कराई। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य महाप्रबंधक संजय मालवीय, शंभुनाथ सिंह आदि मौजूद थे।

'स्टार बैंड टीम' ने समाजसेवी मदन परमालिया को किया सम्मानित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर के स्टार बैंड द्वारा जाल सभागृह' में आयोजित भव्य संगीत कार्यक्रम 'सारा ज़माना हसीनों का दीवाना' बड़ी धूमधाम से संपन्न हुआ। विजनरी ऑर्गनाइजर और प्रसिद्ध सैक्सोफोन वादक मनीषा यादव के नेतृत्व में आयोजित इस शाम ने न केवल संगीत प्रेमियों का दिल जीता, बल्कि समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली विभूतियों को भी एक मंच पर लाया। कार्यक्रम के दौरान समूह द्वारा इंदौर के प्रसिद्ध समाजसेवी मदन परमालिया जी का विशेष सम्मान किया गया। उन्हें समाज के प्रति उनके निस्वार्थ योगदान और समर्पण के लिए स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। बैंड की मुख्य कलाकार मनीषा यादव ने अपने सैक्सोफोन की धुनों से समां बांध दिया। उनके साथ 'द बैंड एनसेंबल' के कलाकारों ने बेहतरीन जुगलबंदी पेश की। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि के रूप में इन्दु जैन मौजूद रहीं। साथ ही विशिष्ट अतिथियों में डॉ. मुक्ता रॉय (संयुक्त सचिव, प्रदेश महिला कांग्रेस), चिन्तन बाकिवाला, उमेश सिंघानिया और 'विज़ी विंग्स' के संस्थापक डॉ. अंशुल जैन व श्रेया अनसाने उपस्थित थे। कार्यक्रम की एंकर मिनी राजपाल ने मंच का संचालन करते हुए बताया कि 'स्टार बैंड टीम' का उद्देश्य केवल मनोरंजन करना ही नहीं, बल्कि समाज के नायकों को पहचान देना भी है।

हॉस्टल में बजरंग दल की दबिश: दो युवक पकड़े गए दो फरार, हुक्का समेत नशीला सामान बरामद

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सैफरन होम्स हॉस्टल पर बजरंग दल की टीम ने दबिश देकर हड़कंप मचा दिया। सूचना मिली थी कि हॉस्टल के अंदर युवतियों के साथ मारपीट की जा रही है। मौके पर पहुंची टीम ने दो युवकों को पकड़कर पुलिस के हवाले किया, जबकि दो अन्य युवक मौके से फरार होने में सफल रहे। जानकारी के अनुसार, विश्व हिंदू परिषद के इंदौर विभाग संयोजक प्रवीण दरेकर को सूचना मिली थी कि रनेसा कॉलेज के पीछे स्थित एक हॉस्टल में संदिग्ध गतिविधियां चल रही हैं और वहां युवतियों के साथ मारपीट हो रही है। सूचना मिलते ही बजरंग दल के जिला संयोजक लक्की रघुवंशी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और हॉस्टल में दबिश दी। दबिश के दौरान आरोपी निवासी राजीव नगर, खजराना और एक आरोपी निवासी लक्ष्मी बाग, खजराना को मौके से पकड़ा गया। बताया जा रहा है कि दोनों युवक एक युवती के फ्लैट में ठहरे हुए थे। यह भी सामने आया कि जिस युवती के फ्लैट में वे रुके थे, वह पुलिस परिवार से जुड़ी है, इसके बावजूद उसके साथ मारपीट की जा रही थी। घटना के बाद पीड़ित युवती बजरंग दल कार्यकर्ताओं के साथ थाने पहुंची और अपनी आपबीती थाना प्रभारी को सुनाई। पुलिस ने मामला दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले में हॉस्टल संचालक की भूमिका भी संदिग्ध बताई जा रही है। दबिश के दौरान हॉस्टल परिसर से हुक्का और अन्य नशीली सामग्री भी बरामद की गई है, जिससे कई सवाल खड़े हो गए हैं।

उठावना एवं शोक निवारण

हमारे पूज्य पिताजी, सतीशचंद्र पाटोदी के बड़े भाई, महेंद्र, देवेन्द्र के चाचाजी, मनीष के बड़े पापा, अंकित, अभय, रोमिल, अतिशय, पर्व, भाविक के दादाजी, स्व. पवन लुहाडिया, राहुल बाकलीवाल के ससुर जी, स्व. चौथमलजी पाटोदी के सुपुत्र

प्रकाशचंद्र जी पाटोदी

का देह परिवर्तन दिनांक 23.04.2026 को हो गया है,जिनका उठावना दिनांक 25.04.2026, शनिवार को सुबह 9.30 बजे और शोक निवारण सुबह 10.30 बजे मोदी जी की नसिया, बड़ा गणपति, इंदौर पर रखा गया है।

शोक बैठक : शाम 7 से 9 बजे तक
निज निवास-144 सुखदेव नगर, इंदौर पर रहेगी

शोकाकुल : जितेन्द्र पाटोदी, बबीता लुहाडिया, वंदना बाकलीवाल

छत्रीबाग स्थित लक्ष्मी नरसिंह मंदिर से आज निकलेगी भव्य शोभायात्रा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्री जांगड़ा पोरवाल पंचायती सभा इंदौर द्वारा भगवान नरसिंहदेव के पावन प्राकट्य उत्सव के उपलक्ष्य में 29-30 अप्रैल को आयोजित महोत्सव का शुभारंभ 29 अप्रैल को सुबह 8 बजे से 21 विद्वानों द्वारा पोरवाल समाज के हजारों समाज बंधुओं की मौजूदगी में पंचामृत से भगवान नरसिंह के महाभिषेक के साथ होगा। अंतर्राष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय के आचार्य जगदगुरु स्वामी रामदयाल महाराज के सानिध्य में गुरुवार 30 अप्रैल को सुबह 7 बजे से छत्रीबाग स्थित नरसिंह मंदिर से निकाली जाने वाली भव्य शोभायात्रा के लिए विशेष 'स्वर्ण रथ' श्रृंगारित किया जा रहा है जिसमें विराजित होकर स्वामी रामदयाल महाराज समाज बंधुओं को आशीष प्रदान करेंगे। मंदिर पर महाभिषेक, महाआरती एवं महाप्रसादी सहित विभिन्न अनुष्ठानों की तैयारियां भी युद्ध स्तर पर की जा रही हैं। श्री जांगड़ा पोरवाल पंचायती सभा इंदौर की उत्सव समिति के अरुण पोरवाल ने बताया कि श्रीलक्ष्मी नरसिंह मंदिर छत्रीबाग पर 5 किस्म के दो क्विंटल फूलों से भगवान का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। अध्यक्ष रामदयाल फरकिया एवं जगदीश कन्हैयालाल गुप्ता खेजडियावाला के मार्गदर्शन में संतोष मेहता, बलराम गुप्ता, मोहन धनोतिया सहित समाज के सेवाभावी बंधुओं की बैठक में महोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर, गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

कांग्रेस का टेलेंट हंट अब युवाओं को मिलेगा कांग्रेस का मंच

निलेश चौहान (94250-77209)
देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर में अब कांग्रेस टैलेंट हंट नाम से युवाओं के लिए एक नया मंच देने जा रही है। जिसको लेकर कांग्रेस के द्वारा पूरी तैयारी कर ली गई है। इस टैलेंट हंट के जरिए कांग्रेस नए युवाओं को जोड़ने का काम करेगी, जो कि अपने प्रतिभाओं का परिचय इस मंच के माध्यम से दे सकेंगे।

कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अपूर्व भारद्वाज ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभा को निखारने के लिए कांग्रेस ने टैलेंट हंट के माध्यम से एक नए मंच की तैयारी की है। जिससे हम युवाओं को जोड़कर उनके अंदर के प्रतिभा को सामने लेंगे जो की ग्राउंड लेवल पर काम करके जमीनी जानकारियां अपने टैलेंट के माध्यम से आम जनता तक पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि इस मंच के माध्यम से युवाओं की कला में निखार आएगा और छुपी हुई प्रतिभा सामने आएगी उन्होंने कहा कि इस मंच में जोड़ने की कोई भी बाध्यता नहीं है हर व्यक्ति इसमें जुड़ सकता है।

टैलेंट हंट के माध्यम से युवा हर मुद्दे पर अपनी बात कर सकेगा जनता की आवाज को बुलंद करेगा जमीनी मुद्दों को उठाने का प्रयास भी टैलेंट हंट के माध्यम से किया जाएगा, जो आवाज सरकार तक नहीं पहुंचती वह सोशल मीडिया प्रेस वार्ता के माध्यम से सरकार तक पहुंचने का काम किया जाएगा। 25 और 26 अप्रैल को गांधी भवन में आवेदन लिए जाएंगे और युवा अपना अनुभव साझा करेंगे। उसी अनुभव के माध्यम से उन्हें जिम्मेदारी दी जाएगी। टैलेंट हंट की शुरुआत सबसे पहले इंदौर जिले से की गई है। कांग्रेस का टैलेंट हंट इंदौर में सफल रहा तो पूरे मध्य प्रदेश में युवाओं का जोड़ने का काम कांग्रेस करेगी। जिससे कांग्रेस को मजबूती मिलेगी और आने वाले समय में 2028 के विधानसभा चुनाव में इसका सीधा फायदा कांग्रेस को मिलेगा।

इस अवसर पर जिला कांग्रेस आईटी सेल के अध्यक्ष सुमित सेठ, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजेश बड़वाया, पार्षद जितेंद्र ठाकुर, राजीव यादव, रामचरण दयाल संजय पटेल, दिलीप खेर, सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सम्पादकीय

मतदाता सूची से बाहर लाखों नाम, फिर भी रिकॉर्ड वोटिंग - पश्चिम बंगाल चुनाव में उठे नए सवाल

मतदाता सूची से बाहर किए गए सत्ताईस लाख लोगों के आवेदनों में से सिर्फ 650 पर विचार किया गया और महज 139 को वोट देने की इजाजत मिली। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के पहले चरण में गुरुवार को जिस तरह करीब बानबे फीसद मतदान की खबर आई है, उससे साफ है कि इस बार वहां की जनता ने अपने मताधिकार को लेकर अपेक्षया ज्यादा सजगता दिखाई है। इसका एक कारण एसआइआर की प्रक्रिया के बाद मतदाता सूची में मौजूद लोगों का अपने मताधिकार को लेकर पहले से ज्यादा सतर्क होना भी हो सकता है। हालांकि अभी दूसरे चरण का मतदान बाकी है और आखिरी तस्वीर नतीजों के बाद साफ होगी, लेकिन राज्य में बड़ी संख्या में लोगों के वोट डालने से वंचित रह जाने को लेकर जैसे सवाल उठ रहे हैं, उनका जवाब सामने आना देश की लोकतांत्रिक परंपराओं को बचाए रखने के लिए जरूरी है। आखिर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर की प्रक्रिया के बाद जितने लोगों को मतदान के लिए अपात्र मान लिया गया और जो अपीलीय प्राधिकरण के सामने गुहार लगाने के बावजूद वोट देने से वंचित रह गए, उनके नागरिक और संवैधानिक अधिकारों को अब किस कसौटी पर रखा जाएगा! गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में एसआइआर की प्रक्रिया के बाद अब तक करीब सत्ताईस लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 142 का इस्तेमाल करते हुए चुनाव आयोग को निर्देश दिया था कि जिन लोगों की अपील अपीलीय प्राधिकरणों में स्वीकार कर ली जाती है, उनके लिए पूरक संशोधित मतदाता सूची जारी की जाए, ताकि अनुमति मिलने पर वे मतदान कर सकें। शीर्ष अदालत के निर्देश के बाद यह उम्मीद जगी थी कि जो लोग मतदाता सूची से बाहर हो गए थे, उनके सामने भी अब वोट डाल सकने का एक विकल्प होगा और इस तरह सूची से बाहर होने के बाद की जटिलताओं से उनके बच सकने की गुंजाइश तैयार होगी। मगर बुधवार को आई खबर के मुताबिक मतदाता सूची से बाहर किए गए सत्ताईस लाख लोगों के आवेदनों में से सिर्फ 650 पर विचार किया गया और महज 139 को वोट देने की इजाजत मिली। अंदाजा लगाया जा सकता है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के मद्देनजर प्राधिकरण में जिस तरह अपीलों की सुनवाई की व्यवस्था हुई, उसका उद्देश्य शायद सिर्फ औपचारिकता पूरा करना था। इस कवायद के बावजूद एसआइआर की वजह से बड़ी संख्या में जो लोग मतदान करने से वंचित रह गए, उनके बारे में अब कानूनी स्थिति क्या होगी? फिर जिन लोगों को अभी मतदाता सूची में जगह मिलने के लिए अपात्र माना गया, बाद में किन्हीं कसौटी पर उन्हें सही बताया जाएगा, उनके मौजूदा चुनाव में मतदान न कर पाने के लिए क्या किसी की जवाबदेही तय की जाएगी?

प्रसंगवश - 24 अप्रैल: राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस

साधारण जन से असाधारण शासन तक: पंचायती राज की नई परिभाषा

जब गाँव की धूल भरी पगडंडी पर बैठा किसान निडर होकर अपनी बात रखता है और उसी स्वर से विकास की दिशा आकार लेने लगती है, तब लोकतंत्र अपनी सबसे जीवंत और वास्तविक पहचान में सामने आता है। 24 अप्रैल उस ऐतिहासिक व्यवस्था का प्रतीक बनकर सामने आता है जिसने सत्ता को बड़े दफ्तरों की सीमाओं से बाहर निकालकर गाँव की खुली चौपालों तक पहुँचा दिया। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस यह संदेश देता है कि भारत की असली शक्ति ऊँची इमारतों में नहीं, बल्कि उन ग्राम सभाओं में बसती है जहाँ लोग अपने भविष्य का निर्णय स्वयं करते हैं। यह दिन उस सोच का सम्मान है जिसने यह सिद्ध किया कि शासन केवल ऊपर से नहीं चलता, बल्कि नीचे की सक्रिय भागीदारी से और अधिक मजबूत होता है।

1992 में पारित 73वें संविधान संशोधन ने, जो 24 अप्रैल 1993 को प्रभावी हुआ, ग्रामीण भारत के इतिहास में ऐसा निर्णायक परिवर्तन लेकर आया, जिसने पंचायतों को संवैधानिक मान्यता देकर उन्हें वास्तविक अधिकारों से सशक्त बनाया। इसके बाद गाँव केवल योजनाओं के उपभोक्ता नहीं रहे, बल्कि वे स्वयं निर्णय निर्माण की मुख्य इकाइयाँ बन गए। सड़क निर्माण, जल प्रबंधन, विद्यालय सुधार और विकास योजनाओं की दिशा अब ग्राम सभा में तय होने लगी। यह परिवर्तन केवल प्रशासनिक सुधार नहीं था, बल्कि जनभागीदारी को वास्तविक शक्ति देने वाली व्यवस्था थी। इससे ग्रामीण समाज को अपने संसाधनों और आवश्यकताओं को पहचानने तथा स्वयं निर्णय लेने का अवसर मिला, जिससे विकास अधिक व्यावहारिक और स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप बन गया।

पंचायती राज व्यवस्था की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि महिलाओं की बढ़ती भागीदारी है, जिसने ग्रामीण समाज की कार्यशैली को गहराई से बदल दिया है। आरक्षण प्रणाली ने महिलाओं को नेतृत्व के अवसर देकर उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया के केंद्र में स्थापित किया है। आज 14 लाख से अधिक महिलाएँ सरपंच और पंचायत सदस्य के रूप में अपने गाँवों का नेतृत्व कर रही हैं। वे शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और जल संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। यह परिवर्तन केवल पद तक सीमित

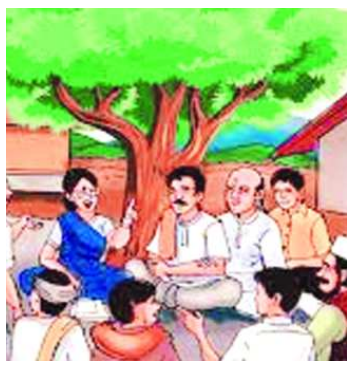

नहीं है, बल्कि यह सामाजिक सोच में आए व्यापक बदलाव का संकेत है। जहाँ कभी उनकी भूमिका सीमित समझी जाती थी, वहीं अब वही महिलाएँ विकास की दिशा तय कर रही हैं और नए उदाहरण स्थापित कर रही हैं।

डिजिटल क्रांति ने पंचायती राज व्यवस्था को नई पारदर्शिता और गति प्रदान करते हुए उसे अधिक प्रभावशाली बना दिया है। ई-ग्राम स्वराज, ऑनलाइन बजट निगरानी और डिजिटल भुगतान प्रणाली ने पंचायतों के कार्यों को सरल, तेज़ और अधिक जवाबदेह बना दिया है। अब गाँव के लोग अपने मोबाइल फोन पर आसानी से देख सकते हैं कि विकास कार्यों के लिए कितनी राशि प्राप्त हुई और उसका उपयोग कहाँ किया गया। इससे जानकारी तक पहुँच आसान हुई है और लोगों की भागीदारी में भी वृद्धि हुई है। तकनीक ने दूरी की बाधाओं को समाप्त कर प्रशासन को अधिक तेज़ और सटीक बनाया है। ग्रामीण क्षेत्र अब केवल पारंपरिक व्यवस्था तक सीमित नहीं रहे, बल्कि वे आधुनिक डिजिटल प्रणाली का सक्रिय हिस्सा बन चुके हैं।

उपलब्धियों के साथ-साथ पंचायती राज व्यवस्था के सामने कई गंभीर चुनौतियाँ भी खड़ी हैं, जिन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता। कई क्षेत्रों में पंचायतें अब भी स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने में सक्षम नहीं हैं और बाहरी दबाव उनकी भूमिका को सीमित कर देते हैं। कुछ स्थानों पर ग्राम सभा केवल औपचारिक बैठक बनकर रह जाती है, जहाँ वास्तविक चर्चा और निर्णय प्रक्रिया कमजोर पड़ जाती है। भ्रष्टाचार और जागरूकता की कमी भी कई इलाकों में बाधा बनी हुई है। फिर भी इसके विपरीत अनेक गाँव ऐसे हैं जहाँ पंचायतें पारदर्शिता और सक्रिय जनभागीदारी के बल पर विकास की नई और प्रेरक मिसालें प्रस्तुत कर रही हैं।

बदलते वैश्विक परिदृश्य में जब दुनिया तेज़ी से सतत विकास और स्थानीय शासन की ओर अग्रसर है, तब पंचायती राज व्यवस्था की अहमियत और अधिक बढ़ जाती है। जल संरक्षण, स्वच्छ ऊर्जा, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में स्थानीय निर्णय प्रणाली अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रही है। अनेक गाँव सौर ऊर्जा, वर्षा जल संचयन और जैविक खेती के माध्यम से उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल कर रहे हैं। यह स्पष्ट करता है कि स्थानीय स्तर पर लिए गए निर्णय अधिक व्यावहारिक, सटीक और परिणामकारी होते हैं। भारत के ग्रामीण क्षेत्र अब केवल उपभोक्ता नहीं रहे, बल्कि वे नवाचार और परिवर्तन के सशक्त केंद्र बनकर उभर रहे हैं।

जवाबदेही और समीक्षा का एहसास कराता राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस केवल जश्न का अवसर नहीं है। यह दिन हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि क्या गाँवों को वास्तव में वह अधिकार, स्वतंत्रता और संसाधन मिले हैं जिनकी कल्पना की गई थी। क्या ग्राम सभा केवल कागज़ों तक सीमित है या सच में निर्णय लेने का सशक्त और सक्रिय मंच बन चुकी है? इन सवालों के उत्तर ही भविष्य की दिशा तय करेंगे। फिर भी यह स्पष्ट है कि जहाँ पंचायतें सक्रिय, पारदर्शी और जवाबदेह हैं, वहाँ विकास की रफ्तार अधिक तेज़ और प्रभावशाली होती है। यही व्यवस्था लोकतंत्र को जमीनी स्तर पर ठोस मजबूती प्रदान करती है।

नए विश्वास और मजबूत संकल्प का संदेश देता यह दिवस उस भारत की स्पष्ट और प्रेरक तस्वीर सामने रखता है जो अपने गाँवों की ताकत पर खड़ा होकर निरंतर आगे बढ़ रहा है। यह उन लोगों को सम्मान देता है जो बिना शोर किए अपने गाँवों में बदलाव की नई इबारत लिख रहे हैं। यह स्मरण कराता है कि वास्तविक और स्थायी विकास वही है जो गाँव की गलियों से शुरू होकर पूरे देश को मजबूती प्रदान करता है। पंचायती राज केवल एक शासन व्यवस्था नहीं, बल्कि वह सशक्त माध्यम है जो हर नागरिक को निर्णय प्रक्रिया से जोड़ते हुए भारत को अधिक मजबूत, संतुलित और प्रगतिशील बनाता है।

कृति आरके जैन, सृजनिका
बड़वानी (मप्र)

झाड़ू की चमक में धुंधलाता सुशासन, आज किस मोड़ पर खड़ा है इंदौर

इंदौर अजब शहर है। यहाँ सुबह की पहली किरण के साथ सड़कों पर पानी छिड़क दिया जाता है, कचरा समय पर उठ जाता है, चौराहे चमकते हैं, और नागरिक गर्व से कहते हैं, हम देश का सबसे स्वच्छ शहर हैं। कहना भी चाहिए। स्वच्छता कोई छोटी उपलब्धि नहीं, यह जागृत सभ्यता का प्रमाण है। लेकिन शहरों की आत्मा केवल झाड़ू से नहीं चमकती। वह न्याय, नियोजन, अनुशासन और जवाबदेही से दमकती है। और यहीं आकर इंदौर जैसे तेजस्वी नगर के माथे पर चिंता की लकीरें दिखने लगती हैं। यह वही शहर है जिसे कभी 'मिनी बॉम्बे' कहा गया। व्यापार की गति, स्वाद की संस्कृति, शिक्षा की ऊर्जा और सामाजिक जीवंतता, सब कुछ यहाँ धड़कता रहा। पर अब इस धड़कन में कहीं-कहीं अव्यवस्था की खाँसी सुनाई देती है। सड़कें जो शहर की धमनियाँ थीं, वे अतिक्रमण की चर्बी से जाम हो रही हैं। नक्शों में चौड़ी राहें हैं, जमीन पर सिकुड़ी गलियाँ। कागज़ पर विकास है, धरातल पर समझौता।

मास्टर प्लान किसी शहर का भविष्यवक्ता होता है। वह बताता है कि आने वाली पीढ़ियाँ कहाँ चलेंगी, कहाँ बसेंगी, कहाँ साँस लेंगी। यदि वही योजना फाइलों में कैद हो जाए, तो शहर धीरे-धीरे दुर्घटना में बदल जाता है। इंदौर का संकट यही है, यहाँ नगर नियोजन अक्सर घोषणा बनकर रह जाता है, क्रियान्वयन नहीं। और विडंबना देखिए, वाहनों की भीड़ बढ़ती है, करों का बोझ बढ़ता है, लेकिन नागरिक सुविधा का विस्तार उसी अनुपात में नहीं बढ़ता। शहर सड़कों पर दबाव झेलता है, राजस्व कहीं और निकल जाता है, और फिर नागरिक से कहा जाता है, धैर्य रखिए, संसाधन कम हैं। यह वैसा ही है जैसे कुएँ का पानी कोई और ले जाए और प्यासे से संयम माँगा जाए। अतिक्रमण को हमने वर्षों तक छोटी बुराई मान लिया। दुकान थोड़ी बाहर, सीढ़ी थोड़ी आगे, शेड थोड़ा लंबा, घर का बगीचा थोड़ा सड़क तक, पार्किंग थोड़ी सड़क पर, यही 'थोड़ा-थोड़ा' मिलकर शहर का बहुत कुछ खा गया। जब फुटपाथ गायब होता है तो पैदल आदमी अदृश्य हो जाता है। जब नालों पर निर्माण होता है तो बरसात बदला लेती है। जब पाइपलाइन पर कब्जा होता है तो बीमारी घरों में प्रवेश करती है। अतिक्रमण केवल जमीन पर नहीं होता, यह कानून की गरिमा पर भी होता है।

सबसे बड़ी चिंता यह है कि नागरिक अब समाधान के लिए प्रशासन से अधिक अदालत की ओर देखने लगे हैं। जब जनता को हर छोटे-बड़े प्रश्न के लिए न्यायालय की चौखट पर जाना पड़े, तो यह केवल व्यवस्था की कमजोरी नहीं, भरोसे की क्षति भी है। इंदौर को अब एक नए अभियान की जरूरत है। स्वच्छता के बाद दूसरा पर्व, सुशासन का। सड़कें केवल साफ नहीं, अतिक्रमण मुक्त भी हों। योजनाएँ केवल छपें नहीं, लागू भी हों। अधिकारी केवल पद पर न हों, उत्तरदायी भी हों। रसूख कानून से बड़ा न हो। यह शहर होलकरों की विरासत है, व्यापारियों की कर्मभूमि है, युवाओं की आकांक्षा है। इसे केवल सुंदर नहीं, सुव्यवस्थित भी होना चाहिए। वरना इतिहास लिखेगा, इंदौर ने कचरा तो हटा दिया, पर अव्यवस्था नहीं।

- राजकुमार जैन, स्वतंत्र विचारक

आंचलिक

तेंदुए ने महिला पर किया हमला, बचाव में आए वनकर्मी समेत पांच लोगों को किया लहूलुहान

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● गुजरी की डेहरिया बस्ती में कमलाबाई (49) घर के पास टंकी के पास कपड़े धो रही थीं, तभी अचानक तेंदुए ने उन पर हमला कर दिया। वे गिर गईं और तेंदुआ उन्हें काटने लगा। शोर सुनकर पड़ोसी महेश वास्केल बचाने पहुंचे, लेकिन तेंदुए ने उन पर भी हमला कर दिया, जिससे उन्हें हाथ, पैर, सिर और पेट में गंभीर चोटें आईं। ग्यारसीलाल ने भी बचाने की कोशिश की, पर उनकी उंगली का नाखून वाला हिस्सा तेंदुए ने काट दिया। इसके बाद तेंदुआ सड़क पर विकास पर झपटा। विकास ने संघर्ष करते हुए तेंदुए की गर्दन पैरों से जकड़ ली। कुछ देर बाद तेंदुआ उसे छोड़कर नाले के पाइप में जा छिपा। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। सर्चिंग के दौरान तेंदुए ने वन रक्षक दद्दू सिंह पर भी हमला किया, जिसे उपसरपंच सन्नी जाट ने लाठी से खदेड़ा। इसके बाद तेंदुआ फिर नाले में छिप गया।

मप्र में भूमि संशोधन पारित, ट्रैक्टर रैली से पहुंची केंद्रीय मंत्री ठाकुर

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● प्रदेश में भूमि संशोधन विधेयक पारित होने के बाद गुरुवार शाम मनावर में भाजपा ने आभार रैली निकाली। इस आयोजन में केंद्रीय मंत्री और धार-महू सांसद सावित्री ठाकुर ट्रैक्टर पर सवार होकर शामिल हुईं। रैली नगर पालिका परिषद से शुरू होकर गांधी चौराहे तक पहुंची, जहां कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक नारेबाजी की। गांधी चौराहे पर सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रि-परिषद की बैठक में किसानों के हित में ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। उन्होंने बताया कि अब भूमि अधिग्रहण होने पर किसानों को बाजार दर से चार गुना मुआवजा देने का प्रावधान किया गया है, जिससे क्षेत्र के किसानों को सीधा आर्थिक लाभ मिलेगा। मंत्री ठाकुर ने बताया कि 2015 के अधिनियम के तहत मुआवजे के पुन: निर्धारण का प्रावधान किया गया है। उन्होंने इस विकासपरक कदम को 'डबल इंजन सरकार' की कार्यप्रणाली का सुखद परिणाम बताया। यह रैली विशेष रूप से किसानों के प्रति सम्मान और

सरकार के प्रति आभार व्यक्त करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। मंत्री ने कहा कि इस ऐतिहासिक फैसले के बाद अब सड़क, नहर, पुल आदि के लिए शासकीय भूमि अधिग्रहण होने पर किसानों को चार गुना मुआवजा दिया जाएगा। मनावर नगर के मुख्य गांधी चौराहे पर स्थानीय किसानों, जनप्रतिनिधियों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने आम जनता को मिठाई खिलाकर आभार व्यक्त किया।

इस आभार रैली के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष अजय पाटीदार, भाजपा नेता सचिन पांडेय, पन्नालाल पाटीदार और मीडिया प्रभारी विजय राठोर सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। रैली के मार्ग में जगह-जगह स्वागत किया गया और सरकार के इस निर्णय को किसान कल्याण की दिशा में मील का पत्थर बताया गया।

जंगल पर कब्जे के लिए चौकीदारों को पीटा, जानलेवा हमला करने वाले 3 आरोपी जिला बदर

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● वन भूमि पर अतिक्रमण करने और वन अमले पर जानलेवा हमला करने के मामले में प्रशासन ने ग्राम आमाखजूरी टांडा के 3 आरोपियों को 1 साल के लिए जिला बदर कर दिया है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी ऋषव गुप्ता ने वन मंडलाधिकारी की रिपोर्ट के आधार पर यह सख्त आदेश जारी किया है। इसके तहत आरोपियों की खंडवा सहित 6 अन्य पड़ोसी जिलों की सीमाओं में भी प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा। वर्तमान में प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि वन भूमि पर कब्जे और शासकीय कार्य में बाधा डालने वालों के खिलाफ आगे भी यह सख्ती जारी रहेगी। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश के तहत थाना पिपलोद क्षेत्र की ग्राम पंचायत भिलाईखेड़ा के निवासी मोवासिंग, प्रेमसिंग और घूमसिंग को आगामी एक वर्ष तक जिले से बाहर रहने के निर्देश दिए गए हैं। वन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, इन तीनों आरोपियों पर ग्राम आमाखजूरी स्थित वन भूमि पर अवैध अतिक्रमण करने, वन अमले पर जानलेवा हमला करने और शासकीय कार्य में बाधा डालने जैसे गंभीर आरोप हैं। हाल ही में इनके द्वारा जमीन पर कब्जा करने के दौरान वन विभाग के चौकीदारों के साथ जमकर मारपीट भी की गई थी।

इन 6 जिलों में भी नहीं रख सकेंगे कदम

प्रशासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार, 1 वर्ष की जिला बदर अवधि के दौरान ये तीनों आरोपी न केवल खंडवा जिले में, बल्कि आसपास के 6 अन्य जिलों की सीमाओं में भी प्रवेश नहीं कर सकेंगे। इन प्रतिबंधित जिलों में बुरहानपुर, खरगोन, देवास, बैतूल, हरदा और इंदौर शामिल हैं। प्रशासन की इस कार्रवाई को अतिक्रमणकारियों और वन अमले पर हमला करने वालों के खिलाफ एक कड़ा संदेश माना जा रहा है।

भीकनगांव में आंदोलन के बाद सिंचाई परियोजना में आई तेजी, 4 दिन में संसाधन बढ़ाने कलेक्टर का अल्टीमेटम

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● भीकनगांव में भारतीय किसान संघ के 10 दिवसीय आंदोलन के बाद बिंजलवाड़ा सिंचाई परियोजना का काम अब गति पकड़ रहा है। गुरुवार को खरगोन कलेक्टर भव्या मित्तल ने क्षेत्र का दौरा किया और अधिकारियों को 4 दिन में पाइप व मशीन बढ़ाकर काम तेजी से पूरा करने का अल्टीमेटम दिया। कलेक्टर मित्तल ने किसान संघ प्रतिनिधियों और एनवीडीए (नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण) अफसरों के साथ खारवी पंप और सिराली में काम की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को 4 दिन के भीतर पाइप और मशीनरी की व्यवस्था सुनिश्चित कर काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। इस दौरान किसान प्रतिनिधियों ने कलेक्टर को पाइप न पहुंचने की समस्या से अवगत कराया। यह दौरा भीकनगांव

में भारतीय किसान संघ के 10 दिवसीय आंदोलन के बाद हुआ है। आंदोलन के बाद कलेक्टर ने 20 दिन के काम का प्लान मांगा था और अब वे स्वयं इसकी निगरानी कर रही हैं।

किसान संघ द्वारा दोबारा आंदोलन की चेतावनी दिए जाने के बाद, परियोजना के काम को 7 मई तक पूरा करने की अंतिम समय-सीमा (डेडलाइन) निर्धारित की गई है। इस दौरान भीकनगांव एसडीएम लोकेश छापरे, एनवीडीए ईई एमके सिंह, एसडीओ, जीवीआर कंपनी के पीएम, तथा किसान संघ के प्रतिनिधि श्यामसिंह पवार, गजानन बांके, कड़वा नांदिया, राधेश्याम पटेल, नितेशसिंह मौर्य और धर्मेंद्र भटनिया उपस्थित थे।

हाईवे पर चलती पिकअप में आग, शॉर्ट सर्किट से हादसा; ड्राइवर ने कूदकर बचाई जान

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● खंडवा-इंदौर नेशनल हाईवे पर बुधवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब चलती पिकअप वाहन में अचानक आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि देखते ही देखते पूरी गाड़ी धूं-धूं कर जलकर खाक हो गई। हालांकि, ड्राइवर की सूझबूझ से उसकी जान बच गई।

घटना सुबह करीब 10:30 बजे देशगांव क्षेत्र के भोजाखेड़ी गांव के बाहर बायपास पर हुई। जानकारी के मुताबिक, पिकअप वाहन खंडवा से इंदौर की ओर जा रहा था। वाहन में सवार लोग इंदौर से फल-फ्रूट लाने जा रहे थे। इसी दौरान चलते वाहन से अचानक धुआं उठने लगा।

स्थिति को भांपते हुए ड्राइवर शाहुख पता फरीद खान निवासी ग्राम बड़ियांतुला ने तुरंत गाड़ी रोकी और दरवाजा खोलकर कूद गया। कुछ ही पलों में आग ने विकराल रूप ले लिया और आधे घंटे के भीतर पूरी पिकअप जलकर राख हो गई।

पुलिस कंट्रोल रूम से सूचना मिलते ही देशगांव चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। चौकी प्रभारी इंद्रजीत सिंह चौहान ने बताया कि फायर रेस्क्यू वाहन भी मौके पर पहुंचा था, लेकिन तब तक गाड़ी पूरी तरह जल चुकी थी। घटना के समय आसपास कोई मौजूद नहीं था, लेकिन हाईवे पर अन्य वाहन रुकने से जाम की स्थिति बन गई थी, जिसे बाद में पुलिस ने नियंत्रित किया।

प्राथमिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। संबंधित पिकअप वाहन वर्ष 2018 मॉडल का बताया गया है। पुलिस ने वाहन मालिक और ड्राइवर को चौकी बुलाकर मामले की जानकारी ली है और आगे की जांच जारी है।

आईपीएल में आज होगा आरसीबी और टाइटंस का मुकाबला

बंगलुरु (एजेंसी) ● रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु और गुजरात टाइटंस की टीमें शुक्रवार को आईपीएल मैच में आमने-सामने होंगी, जहां दोनों का लक्ष्य बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन करना है। चिन्नास्वामी की थोड़ी धीमी पिच पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में आरसीबी के बल्लेबाज नहीं चल पाए थे, जिससे टीम को छह विकेट से हार मिली थी। यह आरसीबी की इस सीजन में दूसरी हार थी, जिससे वह शीर्ष चार में अपनी जगह मजबूत करने का मौका गंवा बैठी। रॉयल बैंगलुरु के पास आठ अंक हैं और वह तीसरे स्थान पर है। उसके बाद सनराइजर्स हैदराबाद (8 अंक), दिल्ली कैपिटल्स और टाइटंस (6-6 अंक) हैं। मौजूदा चैंपियन आरसीबी को पता है कि गुजरात टाइटंस के खिलाफ कमजोर प्रदर्शन से उसकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं, क्योंकि अब उसे ज्यादातर मैच विरोधी टीम के मैदान पर खेलने हैं। वह अपने दो घरेलू मैच भी रायपुर में खेलेगा।

आरसीबी अब चिन्नास्वामी स्टेडियम में जीत हासिल करके अपने फैंस को शानदार विदाई देना चाहेगा, लेकिन इसके लिए उसके बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा और मुश्किल हालात में भी बड़ा स्कोर बनाने का तरीका ढूंढना होगा। वहीं, गुजरात टाइटंस भी अपने बल्लेबाजों के प्रदर्शन से परेशान है। मुंबई इंडियंस के खिलाफ पिछले मैच में उसकी पूरी टीम 100 रन पर आउट हो गई थी और उसे 99 रन से हार मिली थी। इससे उसके नेट रन रेट पर भी असर पड़ा है। कप्तान शुभमन गिल और जोस बटलर ने कुछ हद तक अच्छा खेल दिखाया है, लेकिन बी साई सुदर्शन, ग्लेन फिलिप्स और राहुल तेवतिया जैसे खिलाड़ी अभी उम्मीद के मुताबिक नहीं खेल पाए हैं। गुजरात टाइटंस के पास प्रसिद्ध कृष्णा, कागिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज और राशिद खान जैसे अच्छे गेंदबाज हैं, लेकिन उन्हें बल्लेबाजों से पूरा सहयोग नहीं मिल रहा है।

विश्व कप फुटबॉल में ईरान की जगह इटली को शामिल करें : जम्पोली

वाशिंगटन (एजेंसी) ● पाओलो जम्पोली ने विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) से कहा है कि वह जून में होने वाले विश्व कप में ईरान की जगह इटली को शामिल करें। माना जा रहा है कि हाल में जिस प्रकार से इटली के साथ अमेरिका के संबंध खराब हुए हैं। उसको देखते हुए ही जम्पोली ने इस प्रकार का बयान दिया है जिससे की इटली सरकार की नाराजगी दूर हो सके। जम्पोली ने कहा कि उन्होंने ट्रंप और फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो दोनों को सुझाव दिया है कि विश्व कप में ईरान की जगह पर इटली को अवसर दिया जाना चाहिये क्योंकि वह कई बार विजेता रही है। जम्पोली ने कहा, मैं इटली का रहने वाला हूं, और अमेरिका में होने वाले टूर्नामेंट में इटली की राष्ट्रीय टीम को देखते हुए देखना चाहता हूं। इटली ने चार विश्व कप खिताब जीते हैं और ऐसे में वह इस टूर्नामेंट में शामिल के लिए ईरान से कहीं बेहतर और योग्य है, इसके साथ ही उसका रिकार्ड भी काफी अच्छा है।

फीफा हालांकि इटली को शामिल नहीं कर सकता है, क्योंकि वह विश्व कप के लिए क्वालीफाई नहीं कर पायी है। इटली प्ले-ऑफ में बोस्निया और हर्जेगोविना से पेनल्टी शूटआउट में हारकर विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में असफल रही थी। यह किसी पूर्व विश्व चैंपियन के लिए एक अजीब स्थिति है। वहीं ईरान ने लगातार चौथी बार विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया है पर जिस प्रकार से उसका अमेरिका और इजरालय से संघर्ष चल रहा है। उसको देखते हुए उसके संयुक्त रुप से अमेरिका और मैक्सिको और कनाडा में होने वाले विश्वकप में खेलने की उम्मीद नहीं है। ईरान ने और युद्ध शुरू होने के बाद से ही फीफा से अपनी टीम के तीन ग्रुप मैचों को अमेरिका से हटाकर मेक्सिको में स्थानांतरित करने का अनुरोध भी किया था जिससे ठुकरा दिया गया है। इससे पहले, जब फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ट्रंप से मिले थे, तो उन्होंने कहा था कि ईरान को 2026 विश्व कप में हिस्सा लेने के लिए रोका नहीं जाएगा। दूसरी ओर ईरान के खेल मंत्री अहमद डोनयामाली ने कहा थ किया कि अमेरिका और इजरायल द्वारा देश पर हवाई हमलों के बाद ईरान 2026 विश्व कप में हिस्सा नहीं ले सकता इसके बाद ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा था कि ईरान टीम का विश्व कप में स्वागत है पर उनकी सुरक्षा की गारंटी नीं दी जा सकती।

विपुल शाह ने फिल्म 'गवर्नर' के फर्स्ट लुक पोस्टर को किया जारी

मुंबई (एजेंसी) ● विपुल अमृतलाल शाह ने कई लीक से हटकर फिल्में दी हैं और अब वो एक और दिलचस्प प्रोजेक्ट लेकर आने के लिए तैयार हैं। ताजा अपडेट के मुताबिक, उनकी आने वाली फिल्म के पोस्टर्स सामने आ गए हैं, जिसमें फिल्म के नाम के साथ-साथ एक रहस्यमयी सस्पेंस भी नजर आ रहा है। 'गवर्नर: द साइलेंट सेवियर' नाम की इस फिल्म ने मनोज बाजपेयी के जन्मदिन के मौके पर अपने पहले पोस्टर के साथ ही लोगों के बीच जबरदस्त उत्सुकता पैदा कर दी है। बिना ज्यादा कुछ बताए बहुत कुछ कह जाने वाला 'गवर्नर: द साइलेंट सेवियर' का यह पहला पोस्टर रिवील कर दिया गया है, जिसे चिन्मय मांडलेकर ने डायरेक्ट किया है। इसमें मनोज बाजपेयी पीछे से नजर आ रहे हैं, जो हाथ में एक सूटकेस लिए कॉरिडोर में चल रहे हैं। इसके साथ ही फिल्म की टैगलाइन है, 'अगर मैं फेल हुआ... तो इंडिया फेल हो जाएगा,' जो एक हाई-वोल्टेज लीगल ड्रामा की तरफ इशारा करती है।

पार्टनर ऐसा चाहिए जो बहुत कैरिंग हो और पूरा ध्यान देने वाला : शेफाली बग्गा

मुंबई (एजेंसी) ● बिग बॉस 13 की पूर्व प्रतियोगी और स्पोर्ट्स प्रेजेंटर शेफाली बग्गा हाल ही में युजवेंद्र चहल के साथ देखे जाने के बाद लगातार सुर्खियों में हैं। सोशल मीडिया पर इन दोनों के अफेयर की खबरें जंगल में आग की तरह फैल गईं, जिससे कई मीम्स और वीडियो भी बनाए गए। हालांकि, अब शेफाली ने इन सभी खबरों को सिरे से खारिज करते हुए केवल अफवाह करार दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि उन्हें विराट कोहली जैसा जीवन साथी चाहिए और वह किसी क्रिकेटर को डेट करके अपने पेशेवर और निजी जीवन को आपस में नहीं मिलाना चाहतीं। शेफाली बग्गा ने हाल ही में अपनी एक बातचीत में युजवेंद्र चहल के साथ अपने कथित रिश्ते पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वह इस सवाल का जवाब देते-देते थक चुकी हैं और अब इस विषय पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहतीं। शेफाली ने अफसोस जताते हुए कहा कि लोगों की सोच बहुत छोटी है; वे एक साधारण डिनर को भी तुरंत डेटिंग का नाम दे देते हैं। उन्होंने बताया कि यह केवल एक पैपराजी वीडियो था और सोशल मीडिया पर लोग लगातार यह सवाल पूछ रहे थे कि क्या वह और युजवेंद्र डेट कर रहे हैं। शेफाली के अनुसार, उन्हें सच्चाई पता है और अब उन्हें किसी और बात से कोई फर्क नहीं पड़ता। अपनी पसंद के जीवन साथी के बारे में बताते हुए शेफाली ने कहा कि वह किसी क्रिकेटर को डेट नहीं करना चाहतीं। उन्होंने विराट कोहली और एमएस धोनी जैसे क्रिकेटरों के प्रति अपनी प्रशंसक की भावना व्यक्त की, लेकिन कहा कि वे अब विकल्प नहीं हैं, और अन्य क्रिकेटर उम्र में उनसे छोटे निकलेंगे। शेफाली ने विस्तार से बताया कि उन्हें एक ऐसा पार्टनर चाहिए जो बहुत कैरिंग हो, भावनात्मक रूप से मौजूद हो और पूरा ध्यान देने वाला हो। उन्होंने कहा कि कोई ऐसा शख्स जो अपनी प्रेमिका के साथ हो तो पूरी तरह उसी का होकर रहे। विराट कोहली और अनुष्का शर्मा का उदाहरण देते हुए शेफाली ने कहा, आप देख सकते हैं कि विराट कोहली कितने व्यस्त होते हैं, लेकिन फिर भी आप अनुष्का के लिए उनका प्यार, जुनून और स्नेह देख सकते हैं।

उज्जैन संभाग

सिंहस्थ में क्राउड मैनजमेंट के लिए रिटायर्ड आईपीएस मैदान में, पुलिस अधिकारियों के साथ पैदल उतरे सड़कों पर

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● सिंहस्थ को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप पुलिस विभाग ने तैयारियों को तेज कर दिया है। पिछले सिंहस्थ (2016) में सेवा दे चुके अनुभवी अधिकारियों को मैदान में उतारकर व्यवस्थाओं को मजबूत करने की दिशा में काम शुरू हो गया है। इसी क्रम में गुरुवार को रिटायर्ड एडीजी सरबजीत सिंह और रिटायर्ड डीआईजी मनोहर वर्मा ने सिंहस्थ क्षेत्र का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों सहित पुलिस विभाग के 50 से अधिक अधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण की शुरुआत अंकपात क्षेत्र से हुई। अधिकारियों ने छत्री चौक, गोपाल मंदिर, गुदरी चौराहा होते हुए रामघाट, दत्त अखाड़ा और हरसिद्धि मंदिर तक पैदल भ्रमण कर जमीनी स्थिति का जायजा लिया। पूर्व आईजी सरबजीत सिंह ने 2016 कुंभ के अनुभव साझा करते हुए बताया कि उस समय नागचंद्रेश्वर मंदिर क्षेत्र में पत्थरबाजी की सूचना मिली थी, लेकिन बाद में स्पष्ट हुआ कि श्रद्धालु नारियल चढ़ा रहे थे। उन्होंने कहा कि समय रहते ट्रेनिंग शुरू करना एक सकारात्मक पहल है, जिससे आगामी सिंहस्थ में बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सकेगा।

उन्होंने पुलिस मुख्यालय और वरिष्ठ अधिकारियों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की तैयारी से भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाया जा सकता है। साथ ही उज्जैन की जनता की सहयोगात्मक भूमिका की भी प्रशंसा की। मनोहर वर्मा ने अधिकारियों को विभिन्न अखाड़ों की पेशवाई के मार्ग, वैष्णव और शैव अखाड़ों के जुलूस क्रम और रामघाट पर स्नान व्यवस्था की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किस घाट पर किस अखाड़े का स्नान होगा, इसका पूर्व नियोजन बेहद जरूरी है। निरीक्षण के दौरान एडिशनल एसपी आलोक शर्मा और महाकाल थाने के एसआई चंद्रभान सिंह सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे और उन्होंने व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक जानकारी साझा की।

भगवान चित्रगुप्त का प्रकटोत्सव, 101 जोड़ों ने पंचकुंडीय महायज्ञ में दी आहुति

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● चित्रगुप्त धाम में गंगा सप्तमी (23 अप्रैल) पर भगवान चित्रगुप्त का प्रकटोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर 101 जोड़ों ने पंचकुंडीय महायज्ञ में आहुति दी। कार्यक्रम में बच्चों और युवाओं के लिए रंगोली व चित्रकला प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। चित्रगुप्त मंदिर सार्वजनिक न्यास ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कायस्थ समाज के लोग शामिल हुए। सुबह वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पांच पवित्र नदियों के जल से भगवान चित्रगुप्त का जलाभिषेक किया गया। इसके बाद भगवान को नूतन वस्त्र पहनाकर कायस्थ परिवारों द्वारा तैयार किए गए नैवेद्य का भोग लगाया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विशाल पंचकुंडीय महायज्ञ रहा। पंडित कुलदीप गुरु के आचार्यत्व में 101 जोड़ों ने पारंपरिक परिधान में बैठकर वैदिक विधि-विधान से हवन किया और महाआहुतियां दीं। महायज्ञ के समापन पर महाआरती की गई और विश्व शांति व कल्याण के लिए प्रार्थना की गई।

बच्चों और युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए रंगोली एवं चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। 10 से 25 वर्ष आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने भगवान चित्रगुप्त के आकर्षक चित्र बनाए। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के समापन पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सभी श्रद्धालुओं ने भोजन प्रसादी ग्रहण की।

सिंहस्थ मेले में शाही स्नान पर ट्रेन उज्जैन नहीं आएगी, सभी फ्लैग स्टेशनों पर ट्रेनें रुकेंगी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● सिंहस्थ कुंभ की तैयारियों के बीच रेल से आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए गुरुवार को अधिकारियों का दल विशेष सैलून से आसपास के प्रस्तावित होल्डिंग एरिया और फ्लैग स्टेशनों का निरीक्षण करने पहुंचा। गुरुवार सुबह करीब 10 बजे रतलाम से उज्जैन पहुंचे एडीआरएम अक्षय कुमार के साथ एडीजी राकेश गुप्ता, संभागायुक्त आशीष सिंह, , कलेक्टर रौशन सिंह,डीआईजी नवनीत भसीन, एसपी प्रदीप शर्मा सहित एक दर्जन से अधिक अधिकारी पंवासा, नईखेड़ी, पिंगलेश्वर, मोहनपुरा, विक्रमनगर और चिंतामन स्टेशनों पर पहुंचे।एडीआरएम अक्षय कुमार ने बताया कि पर्व और शाही स्नान के दिनों में भीड़ को देखते हुए ट्रेनों को उज्जैन स्टेशन तक नहीं लाया जाएगा। सभी ट्रेनों को अलग-अलग स्टेशनों पर रोका जाएगा, ताकि भीड़ को नियंत्रित किया जा सके। अधिकारियों ने अलग-अलग स्टेशनों पर यात्रियों के प्रवेश और निकास मार्गों का निरीक्षण किया। साथ ही भीड़ नियंत्रण और यात्रियों को सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचाने की व्यवस्था की जानकारी ली।

बस सेवा और नए प्लेटफॉर्म की तैयारी

मेला अधिकारी आशीष सिंह ने स्टेशनों से घाटों तक बस सेवा शुरू करने के निर्देश दिए। वहीं रेलवे अधिकारियों ने बताया कि नईखेड़ी स्टेशन पर चार नए प्लेटफॉर्म बनाए जाएंगे और अन्य फ्लैग स्टेशनों पर भी सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा।

8 करोड़ का बीमा घोटाला:सरपंच-सचिव और एजेंट ने मृत लोगों के नाम पॉलिसी ली थी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ ने गुरुवार को आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस से जुड़े करीब 8 करोड़ रुपए के बीमा घोटाले का बड़ा खुलासा किया है। इस संगठित ठगी में बीमा एजेंट, पॉलिसी धारक, उनके नॉमिनी और पंचायत स्तर तक की मिलीभगत सामने आई है। मामले में सरपंच, सचिव और सहायक सचिव सहित करीब 40 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ मंदसौर-उज्जैन को 3 सितंबर 2025 को मृत व्यक्तियों के नाम पर बीमा पॉलिसियां जारी किए जाने की शिकायत मिली थी। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने पहले से गंभीर रूप से बीमार या मृत लोगों के नाम पर बीमा पॉलिसियां जारी करवाईं। इसके बाद फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र तैयार कर बीमा क्लेम लगाया गया। कुछ मामलों में तो मृत व्यक्तियों को जीवित दिखाकर ही पॉलिसी ली गई। पूरे मामले में सरपंच, सचिव और सहायक सचिव की भूमिका सामने आई, जिन्होंने फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनाकर 'मौत' दर्शाई और झूठे दस्तावेजों के आधार पर बीमा कंपनी में क्लेम प्रस्तुत किए। जांच के दौरान कुल 27 पॉलिसियों में गड़बड़ी मिली, जिनमें से 19 मामलों में बीमारी छुपाकर पॉलिसी ली गई, जबकि 8 मामलों में मृत व्यक्तियों के नाम पर पॉलिसी जारी कर क्लेम करने की कोशिश की गई। जांच के बाद आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ ने आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी से जुड़े एजेंट मेघा डोंगारवर, ऋषि पाल, झोपर इंश्योरेंस ब्रोकर्स प्रा.लि., जशोदाबेन शर्मा, महेशचंद्र, मुकेश साधवानी, सुनीता, जितेंद्र खिंची, महेंद्र परिहार, अंजली जैन, प्रहलाद चौहान, मेघा कोठारी, रवि राठौर और प्रहलाद पाटीदार को आरोपी बनाया है।

पटवारी की प्रताड़ना से मौत, संघ में आक्रोश, दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग

दैनिक इंदौर संकेत

आगर मालवा ● रतलाम जिले की आलोट तहसील में पदस्थ पटवारी रवि शंकर खराड़ी की मानसिक प्रताड़ना के कारण हुई मौत के विरोध में प्रांतीय पटवारी संघ ने विरोध दर्ज कराया। गुरुवार को पटवारी संघ ने प्रदेश स्तरीय आह्वान पर डिप्टी कलेक्टर सर्वेश यादव के माध्यम से प्रमुख सचिव, राजस्व विभाग के नाम एक ज्ञापन सौंपा। इसमें दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई और कार्यप्रणाली में सुधार की मांग की। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि स्व. रवि शंकर को उनकी वरिष्ठ अधिकारी नायब तहसीलदार द्वारा लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। इसमें अल्प अवधि में बार-बार 'कारण बताओ नोटिस' जारी करना और भाई के विवाह जैसे महत्वपूर्ण पारिवारिक कार्यक्रम के लिए अवकाश न देना शामिल है। संघ ने यह भी आरोप लगाया कि पटवारी को शादी खराब करने की धमकी दी गई थी, जिसके कारण उन्होंने मानसिक दबाव में आत्मघाती कदम उठाया।

पटवारी संघ ने अपनी मांगों को लेकर शासन को स्पष्ट चेतावनी दी है। उनकी प्रमुख मांग है कि स्व. रवि शंकर को आत्महत्या के लिए उकसाने वाले दोषी

अधिकारी पर तत्काल एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाए। संघ ने यह भी मांग की है कि रविवार और अन्य राजपत्रित छुट्टियों के दिन पटवारियों को फील्ड कार्य या समीक्षा बैठकों के लिए बाध्य न किया जाए। इसके अतिरिक्त, सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों में बिना दोष के एकतरफा नोटिस या वेतन रोकने जैसी कार्रवाई बंद होनी चाहिए, ताकि पटवारियों पर अनावश्यक मानसिक दबाव समाप्त हो। एक महत्वपूर्ण मांग 'पटवारी सुरक्षा कानून' के गठन की है। संघ का कहना है कि राजस्व विभाग के मैदानी अमले को वरिष्ठों के व्यक्तिगत अहंकार और प्रताड़ना से बचाने के लिए एक 'सुरक्षा तंत्र' और 'शिकायत निवारण मंच' का गठन किया जाना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

10वीं-12वीं की द्वितीय परीक्षा के लिए आवेदन अब 26 अप्रैल तक

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल ने गुरुवार को विद्यार्थियों के हित में एक बड़ा निर्णय लिया है। वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी द्वितीय परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की तिथि बढ़ा दी है। अब विद्यार्थी 26 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। इस संबंध में मंडल ने आदेश भी जारी कर दिए हैं। माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश के सचिव बुद्धेश कुमार वैद्य ने बताया कि विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन आवेदन भरने की तिथि को बढ़ा दिया गया है। उन्होंने बताया कि पहले आवेदन करने की अंतिम तिथि 22 अप्रैल थी।

नरयावली को मिलेगी 63 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मुख्यमंत्री गुरूवार को सागर जिले की नरयावली विधानसभा को विकास की बड़ी सौगात देंगे। मुख्यमंत्री 63.41 करोड़ रुपये की लागत वाले 75 विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण करेंगे। इसमें 41.20 करोड़ की लागत वाले 22 कार्यों का लोकार्पण और 22.21 करोड़ की लागत के 53 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। मुख्यमंत्री द्वारा सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण भी किया जायेगा। इ

मध्यप्रदेश में गेहूं खरीदी लक्ष्य 78 से बढ़कर 100 लाख मीट्रिक टन हुआ

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मुख्यमंत्री ने कहा है कि केन्द्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय द्वारा मध्यप्रदेश के लिए विपणन वर्ष 2026-27 में गेहूं खरीदी के लक्ष्य में 22 लाख मीट्रिक टन की महत्वपूर्ण वृद्धि की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस वृद्धि के साथ अब मध्यप्रदेश का कुल गेहूं खरीदी लक्ष्य 78 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 100 लाख मीट्रिक टन निर्धारित किया गया है। यह निर्णय राज्य में किसानों से अधिक मात्रा में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

दहाड़ से माफी तक : 'बागी' तेवरों वाले विधायक प्रीतम लोधी संगठन के आगे पड़े फीके, हाईकमान की क्लास के बाद बदले सुर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश भाजपा में एक बार फिर बयानबाजी पर ब्रेक लगाने की नौबत आ गई। विवादों में घिरे विधायक प्रीतम लोधी, जो हाल तक प्रशासन और अधिकारियों पर आक्रामक तेवर दिखा रहे थे, हाईकमान की सख्ती के बाद पूरी तरह बैकफुट पर आ गए। तीन दिन के नोटिस के बाद भोपाल तलब किए गए लोधी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के सामने न सिर्फ सफाई दी, बल्कि अपने शब्दों पर माफी भी मांग ली।

संगठन की 'क्लास' और बदले तेवर-पार्टी नेतृत्व ने लोधी को साफ संकेत दिया कि बार-बार विवादित बयान देना भाजपा की कार्यशैली के खिलाफ है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के सामने पेशी के दौरान वही लोधी, जो पहले आक्रामक भाषा में अधिकारियों को घेर रहे थे, अब बेहद संयमित और रटे-रटाए अंदाज में बात करते नजर आए।

'भीगी बिल्ली' वाला ट्रांजिशन: बयान से बैकफुट तक-जो विधायक कुछ दिन पहले तक एसडीओपी के खिलाफ सख्त बयान दे रहे थे और यहां तक कह चुके थे कि 'गोबर से पाट देंगे', वही अब नरम लहजे में बोले। उन्होंने कहा कि अगर उनके शब्दों से किसी अधिकारी या व्यक्ति को ठेस पहुंची है तो वे उसके लिए खेद व्यक्त करते हैं।

माफी, सफाई और 'स्क्रिप्टेड' बयान-लोधी ने खुद को भाजपा का 'सच्चा सिपाही' बताते हुए कहा कि उनकी तीन पीढ़ियां पार्टी के लिए समर्पित रही हैं। बेटे से जुड़े मामले को लेकर पुलिस कार्रवाई पर नाराजगी जरूर जताई, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि उन्होंने जांच में पूरा सहयोग किया। उनका बयान कुछ ऐसा लगा मानो संगठन की लाइन के मुताबिक शब्द चुने गए हों—सीधे, संतुलित और बिना किसी आक्रामकता के।

वीडियो राजनीति भी नहीं आई काम-तलब से पहले लोधी ने कुछ वीडियो जारी कर अपने पक्ष को मजबूत करने की कोशिश की थी, लेकिन ये रणनीति ज्यादा असरदार नहीं रही। अंत में उन्हें संगठन और प्रशासन के सामने झुकना ही पड़ा।

बयान देते समय शब्दों में चूक हुई-प्रीतम लोधी ने 'द सूत्र' से बातचीत में कहा कि उनकी तीन पीढ़ियों ने भाजपा के लिए काम किया है और वे खुद को पार्टी का समर्पित कार्यकर्ता मानते हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि बयान देते समय उनसे कुछ शब्दों में चूक हो गई थी। लोधी ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उन्हें इस मुद्दे पर समझाइश दी है और वे आगे से अपने बयान देने में पूरी सावधानी बरतेंगे।

पुराने विवादों का 'रिकॉर्ड' भी खुला

यह पहला मौका नहीं है जब प्रीतम लोधी सुर्खियों में आए हों। इससे पहले शिवपुरी में ब्राह्मण समाज को लेकर दिए गए बयान ने भी बड़ा विवाद खड़ा किया था। पार्टी ने उस वक्त भी उन्हें तलब किया था और चेतावनी दी थी। यानी विवाद और माफी—लोधी की राजनीति में यह सिलसिला नया नहीं है।

हाईकमान का सख्त संदेश, लेकिन 'नरम हैंडलिंग'

सूत्रों के मुताबिक, बैठक में मुख्यमंत्री मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष ने लोधी को उनके पुराने बयानों की याद दिलाई। हालांकि मामला आक्रामक तरीके से नहीं निपटाया गया, बल्कि समझाइश के जरिए बीच का रास्ता निकाला गया। पहले अपनी बात पर अड़े लोधी आखिरकार नेतृत्व के सामने झुकते नजर आए।

एक नजर में घटनाक्रम

प्रीतम लोधी को विवादित बयान के बाद 3 दिन का नोटिस दिया गया भोपाल में मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष के सामने पेशी हुई एसडीओपी को लेकर दिए गए बयान पर विवाद खड़ा हुआ था लोधी ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी और खेद जताया पार्टी ने भविष्य में ऐसे बयानों से बचने की सख्त हिदायत दी बेटे के मामले की जांच के लिए लोधी ने पत्र भी सौंपा।

'बागी इमेज' पर ब्रेक या अस्थायी विराम?

पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर साफ कर दिया कि भाजपा में अनुशासन की लाइन क्रॉस करने की कीमत चुकानी पड़ती है। प्रीतम लोधी का यह यू-टर्न बताता है कि राजनीतिक आक्रामकता की भी एक सीमा होती है—और उस सीमा के पार जाते ही 'दहाड़' से 'माफी' तक का सफर ज्यादा लंबा नहीं होता।

कोई तो बचाए.. भीड़ भरे बाजारों में निकल रहे प्रोसेशन

शादियों का सीजन शुरू होते ही ट्रैफिक व्यवस्था हो रही चौपट, जाम से परेशान

- गली-गली तन रहे तंबू, रास्ता रोक हो रहे विवाह समारोह
- बाजारों में लगा बड़ा जाम, घंटों लोग हो रहे परेशान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● अक्षय तृतीया से शुरू हुए शादियों के सीजन के बाद शहर की सड़कों पर निकलने वाले प्रोसेशन से लोग परेशान हो रहे है। गलियों में तो ठीक है, अब तक प्रमुख भीड़ भरे बाजारों में प्रोसेशन निकाले जा रहे है, जिससे शहर के प्रमुख बाजारों में लंबे जाम देखने को मिल रहे है। घंटों तक लोग इस जाम में फंसे नजर आ रहे है। रोज-रोज लगने वाले इन जाम से शहर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह चौपट नजर आ रही है।

शादियों का सीजन शुरू होते ही जगह जगह धर्मशालाओं से बरात व अन्य प्रोसेशन निकाले जाते है, लेकिन ये प्रोसेशन जब राजवाड़ा और उसके आस-पास के इलाकों में निकाले जाते है तो पूरा मध्यक्षेत्र गुरुवार को भी दिखा। शाम के समय छत्रियों के सामने फ्रुट मार्केट से एक प्रोसेशन बघ्घी के साथ निकाला जा रहा था, जबकि शाम के समय राजवाड़ा और उसके आस-पास यातायात का भारी दबाव रहता है। इस प्रोसेशन के कारण पूरा फंसा रहा। छत्रियों के सामने से राजवाड़ा जाने वाले वाहन काफी देर तक फंसे रहे। इसी दौरान एक आयोजन की वाहन रैली भी राजवाड़ा से होते हुए एमजी रोड से गुजरी जिसमें कई गाड़ियां शामिल थी, इसके कारण भी काफी देर तक एमजी रोड पर जाम लग जाता है।

बड़ी-बड़ी डीजे की गाड़ियों से हो रहा शोर

यातायात तो बिगड़ ही रहा है, डीजे की बड़ी-बड़ी गाड़ियों के कारण ध्वनी प्रदुषण भी हो रहा है। प्रतिबंध के बावजूद कई डीजे वाले दो से ज्यादा स्पीकर बजाते है और आस-पास के लोगों को इस ध्वनी प्रदुषण का शिकार होना पड़ता है। शहर में प्रतिबंध के बाद ये डीजे वाली गाड़ियां शहर के बाहर से बुलवाई जा रही है।

दो करोड़ रुपए की रोबोटिक मशीन से बुझाई जाएगी आग

निगम के वर्कशॉप ने फायर ब्रिगेड को सौंपी आधुनिक मशीन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में आकार लेती ऊंची इमारतें, संकरी गलियों में व्याप्त अतिक्रमण और अवैध निर्माण के चलते आग लगने की घटना में काफी नुकसान होता है। इस दौरान लोगों की जान पर भी बन आती है। आम दिनों की अपेक्षा गर्मी में आग की घटनाएं अधिक होती हैं।

इन घटनाओं में जानमाल के नुकसान को कम करने रोबोटिक मशीन कारगर साबित होगी। दो करोड़ की राशि से निर्मित यह मशीन निगम के वर्कशाप में खटारा वाहनों के पार्ट्स से तैयार की गई है। वर्कशॉप ने यह मशीन 14 अप्रैल को फायर ब्रिगेड को सौंपी। रिमोट से करेगी काम- रोबोटिक मशीन में 6-6 इंच के दो पाइप लगे होंगे, जिनकी मारक क्षमता 300 फीट रहेगी। यह मशीन रिमोट की मदद से चारों ओर घूमेगी। मशीन के पाइप का हिस्सा टैंकर से चेम्बर से जोड़ा जाएगा। संकरी गलियों में फायर ब्रिगेड के प्रवेश नहीं करने पर भी मशीन की मदद ली जाएगी। प्लास्टिक, कपड़ा, पॉलिथीन, रूई, केमिकल आदि के कारखानों में हादसा होने पर यह मशीन आग वाले स्थान पर दो से तीन फीट नजदीक जाकर काबू पाएगी। अभी आग की तपन के चलते दमकलकर्मी नजदीक नहीं आ पाते हैं। 18 मार्च को तिलक नगर थाना क्षेत्र के बृजेश्वरी एनेक्स में उद्योगपति मनोज पुगलिया के घर आग लग गई थी। घटना में आठ लोगों की मौत हुई थी। इस दौरान फायर ब्रिगेड पर आरोप लगे थे कि वह समय पर नहीं पहुंची और आग पर काबू पाने में विलंब किया। इस घटना को जिला प्रशासन ने गंभीरता से लिया था, वहीं फायर ब्रिगेड विभाग ने आधुनिक संसाधन खरीदने टेंडर भी बुलाए थे।

कांग्रेस सेवादल का सत्याग्रह शुरू आमरण अनशन की दी चेतावनी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ●मप्र कांग्रेस सेवादल ने किसानों की समस्याओं को लेकर गुरुवार से राजधानी में रोशनपुरा चौराहे पर 24 घंटे का सत्याग्रह एवं उपवास आंदोलन शुरू कर दिया। आंदोलन का समापन शुक्रवार सुबह होगा। सेवादल के प्रदेश मुख्य संगठक अवनीश भार्गव ने कहा कि सरकार की नीतियों से पूरे प्रदेश में किसान परेशान हैं। मप्र के इतिहास में यह पहला मौका है, जब एमएसपी पर गेहूं खरीदी में इतनी अव्यवस्था व्याप्त है। उन्होंने चेतावनी दी कि व्यवस्थाएं नहीं सुधरीं तो 10 मई से आमरण अनशन शुरू होगा। मप्र किसान कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि 28 अप्रैल को बुधनी में किसानों की समस्याओं को लेकर आंदोलन किया जाएगा। किसान कांग्रेस के भोपाल जिला अध्यक्ष रामभाई मेहर ने कहा कि एमएसपी पर खरीदी में देरी से किसानों को मजबूरी में मंडियों में गेहूं 2000 से 2200 रुपए क्विंटल बेचना पड़ रहा है।

शहर में 32 पाकिस्तानी डॉक्टर कर रहे इलाज

कलेक्टर को नाम के साथ हुई शिकायत

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में 32 पाकिस्तानी डॉक्टरों द्वारा इलाज करने की शिकायत कलेक्टर को दी गई है। आरोप है कि इनके पास मान्यता प्राप्त डिग्री नहीं है। आरटीआई में भी सीएमएचओ द्वारा जानकारी नहीं दी गई। कलेक्टर ने मामले की जांच के निर्देश दिए हैं।

इंदौर में 32 पाकिस्तानी डॉक्टर लोगों का इलाज कर रहे हैं। इनकी नामजद शिकायत इंदौर कलेक्टर को हुई है। इसमें कहा गया है कि इन डॉक्टरों के पास मान्यता प्राप्त डिग्री नहीं है। इसके बाद भी यह उपचार कर रहे हैं। कलेक्टर ने जांच की बात कही है। इंदौर में पाकिस्तानी डॉक्टर द्वारा लोगों का उपचार करने की शिकायत हुई है। अधिवक्ता चर्चित शास्त्री ने इसमें नाम के साथ इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा को शिकायत सौंपी है। साथ ही कहा है कि इसे लेकर इंदौर सीएमएचओ को भी शिकायत की थी, लेकिन इनके द्वारा कोई भी एक्शन नहीं लिया गया। कलेक्टर ने जांच कराने की बात कही है। अधिवक्ता ने कलेक्टर को बताया कि इन डॉक्टरों को लेकर मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी माधव हासानी को 03 फरवरी 2026 को सूचना के अधिकार के तहत आवेदन किया गया था। इस पर कोई जानकारी नहीं दी गई। क्षेत्रीय स्वास्थ्य संचालक को 09 मार्च 2026 को अपीलीय आवेदन किया गया। इस पर उन्होंने सीएमएचओ माधव हासानी को 7 दिवस में दस्तावेज प्रदान करने का आदेश किया गया था।

शिकायत में यह लगाए गए आरोप

अधिवक्ता चर्चित शास्त्री ने बताया कि 32 से अधिक डॉक्टर जो फर्जी पाकिस्तानी डिग्रियों पर इंदौर में कार्य कर रहे हैं। पूर्व में डॉक्टर ज्ञानचंद पंजवानी व डॉक्टर बागेचा द्वारा एक महिला का गलत इलाज करने से मौत हुई थी। इसमें हाईकोर्ट के आदेश पर एफआईआर की गई थी। इनकी डिग्रियां तक फर्जी निकलीं। ऐसे ही इंदौर में 32 पाकिस्तानी डॉक्टर शहर में विभिन्न स्थानों पर क्लीनिक व हॉस्पिटल में कार्य कर रहे हैं।

शिकायत में इन सभी के नाम-डॉक्टर जगदीश श्यामनानी, डॉक्टर सरला बजाज, डॉक्टर चांदीराम सातवानी, डॉक्टर राजकुमार बदलानी, डॉक्टर रामचंद्र बजाज, डॉक्टर परसराम खेतपाल, डॉक्टर जयचंद मुंजार, डॉक्टर मेघराज बजाज, डॉक्टर शत्रुघ्न पंजवानी, डॉक्टर प्रकाश सातवानी, डॉक्टर हीरानंद वाधवानी, डॉक्टर मोहनलाल मोटवानी, डॉक्टर एस. सी. हबलानी, डॉक्टर रतन के सोनिटा, डॉक्टर सुभाष चावला, डॉक्टर रमेशलाल बदलानी, डॉक्टर एस. के. चुग, डॉक्टर रमेशलाल सातवानी, डॉक्टर जयकुमार परयानी, डॉक्टर मनोहरलाल गेही, डॉक्टर राजेश वाधवानी, डॉक्टर अर्जुनदास बदलानी, डॉक्टर दानेश गोविंदवानी, डॉक्टर मनोहर सातवानी, डॉक्टर मनोहर हबलानी, डॉक्टर ज्ञानचंद पंजाबी, डॉक्टर रामचंद्र थोरानी, डॉक्टर शशपाल सचदेव, डॉक्टर विजय कुमार परयानी, डॉक्टर दीवान गेही, डॉक्टर रविंद्र औच्छानि।

कम रिजल्ट देने वाले स्कूलों को जारी होगें नोटिस, प्राचार्यों को देना होगा जवाब

तीस प्रतिशत से कम रिजल्ट देने वाले स्कूलों की मांगी रिपोर्ट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● प्रदेश में तीस फीसदी से कम रिजल्ट देने वाले हायर सेकंडरी और हाईस्कूल प्राचार्यों के लिए यह समय चिंता करने का है। कारण है कि ऐसे विद्यालयों की रिपोर्ट एजुकेशन डिपार्टमेंट ने जिला शिक्षा अधिकारियों से मांगी है। विभाग का निर्देश मिलते ही राजधानी में सख्त एक्शन हुआ है। यहां कमजोर परफार्मेंस वाले दर्जन भर विद्यालयों को नोटिस जारी कर दिए गए हैं। स्कूल शिक्षा विभाग के पूर्व से ही निर्देश हैं कि दसवीं एवं बारहवीं की परीक्षा में तीस फीसदी से कम रिजल्ट देने वाले प्राचार्यों को जवाब देना होगा। उन पर कार्यवाही भी निर्धारित की जाएगी। पिछले सप्ताह रिजल्ट आया तो लोक शिक्षण संचालनालय ने ऐसे विद्यालयों की रिपोर्ट तलब की है।

संचालनालय ने जिला शिक्षा अधिकारियों से उन हायर सेकंडरी और हाईस्कूलों की रिपोर्ट मांगी है, जिन्होंने तीस फीसदी से कम रिजल्ट दिया है। प्रदेश के समस्त शिक्षा अधिकारियों से कहा गया है कि वह संबंधित ऐसे विद्यालयों से पूरा स्पष्टीकरण लें। क्या वजह रही जो इतना परिणाम गिरा है? क्या शिक्षकों की कमी थी? या फिर शिक्षक होने के बाद भी बच्चों की अध्यापन तैयारियों पर ध्यान नहीं दिया गया है। बिंदुवार हर वजह की विधिवत स्थिति जानने के लिए जिला शिक्षा अधिकारियों को कहा गया है।

जिन विद्यालयों में कक्षा दसवीं और बारहवीं की पहली परीक्षा का तीस प्रतिशत से कम रिजल्ट रहा, वहां विषय पढ़ाने वाले अतिथि शिक्षकों के कार्य का आंकलन किया जाएगा। जिस गेस्ट टीचर का विषय में तीस फीसदी से ऊपर वर्क होगा, उस पर रहम होगा, जबकि जिसने इतने प्रतिशत से नीचे परिणाम दिया होगा तो मौजूदा सत्र में इनकी नियुक्ति संबंधित स्कूल में नहीं की जाएगी। लोक शिक्षण संचालनालय पहले ही यह निर्देश जिलो में प्रसारित कर चुका है।

नियमित व्याख्याता एवं शिक्षकों पर कार्रवाई तय

लक्ष्य से कम परिणाम प्रतिशत देने वाले प्राचार्यों पर तो एक्शन होगा ही, इसके साथ ही व्याख्याता के अलावा नियमित सब्जेक्ट टीचर पर एक्शन लिया जाएगा। इन पर क्या कार्रवाई की जानी है? विभाग ऐसे स्कूलों की रिपोर्ट आने के बाद ही तय करेगा। जानकारी है कि लोक शिक्षण संचालनालय के अधिकारियों ने एक सप्ताह में यह रिपोर्ट मांगी है। इस अवधि तक यह यह जानकारी नहीं आई तो संबंधित जिले के शिक्षा अधिकारियों को भी नोटिस जारी किया जाएगा।

इंदौर में 30 प्रतिशत से कम परिणाम लाने वाले स्कूल

कक्षा 10वीं

- शा. बालक उमावि राऊ 29.41 प्रतिशत
- शा. हाईस्कूल कलारिया 25 प्रतिशत
- शा. उमावि सिवनी 23.81 प्रतिशत
- शा. हाईस्कूल कदवाली बुजुर्ग 22.22 प्रतिशत
- शा. हायर सेकेंडरी स्कूल किला मैदान 20.83 प्रतिशत
- शा. स्वामी विवेकानंद उमावि 20.27 प्रतिशत

कक्षा 12वीं

- शा. उर्दू उमावि बक्षीबाग 29.41 प्रतिशत

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।